जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, सोमवार 13 अक्टूबर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

नव विधान – न्याय की नई पहचान कार्यक्रम

का शुभारम्भ

द्वारा

श्री अमित शाह

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025 | प्रात: 10:00 बजे | जेईसीसी, जयपुर

गरिमामयी उपस्थिति

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
राजस्थान

न्यायमूर्ति श्री संजीव प्रकाश शर्मा
माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति
राजस्थान उच्च न्यायालय

नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन

4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग

9,300 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का
शिलान्यास एवं लोकार्पण

दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के पेटे
₹364 करोड़ राशि का हस्तान्तरण

47,000 विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के पेटे
₹260 करोड़ राशि का हस्तान्तरण

विकसित राजस्थान-2047 की
कार्ययोजना का विमोचन

150 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली
योजना पोर्टल का शुभारम्भ

एफ.एस.एल. के 56 वाहन एवं
महिला सुरक्षा पेट्रोलिंग के लिए 100 स्कूटियों एवं मोटरसाइकिलों की रवानगी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

शास्त्र पढ़कर भी लोग मूर्ख होते हैं, किन्तु जो उसके अनुसार आचरण करता है वो ही वस्तुतः विद्वान है। –अज्ञात

सुविधा की कीमत: कितनी हानि कितना लाभ?

हम जैसे लोग, जिन्होंने अपने परिवेश को तेजी से बदलते देखा है, आज के जीवन की सुगमता को देखकर आश्चर्यचकित हैं। यह सुगमता खासतौर पर उन लोगों के लिए उल्लेखनीय है, जिन्होंने समय के साथ कदम मिलाने का प्रयास किया। लेकिन क्या यह सुगमता वास्तव में उतनी ही लाभकारी है, जितनी दिखाई देती है? इसे हासिल करने की कीमत क्या है? क्या हमने सुविधा के बदले में कुछ अनमोल खो दिया है? आइए, पहले देखें कि तकनीक ने हमारा जीवन कैसे आसान बनाया है, और फिर विचार करें कि इसकी लागत कितनी भारी है–सामाजिक, आर्थिक, और मनोवैज्ञानिक स्तर पर।

बात ज्यादा पुरानी नहीं, जब मोहल्ले में किसी एक घर में टेलीफोन होना विशेष बात थी। उस घर को 'टेलीफोन वाले' के रूप में जाना जाता था। टेलीफोन का तार लोहे के एंगल तक खींचा जाता, और पड़ोसी बिना पूछे उसका नंबर अपने जान-पहचान वालों को दे दिया करते। इसे पीपी नंबर कहते थे। मुझे याद है, जब मेरे एक पड़ोसी के घर में टेलीफोन लगा, तो पूरा मोहल्ला उनके घर की ओर देखता था। बच्चे उत्साह में तार को छूने की कोशिश करते, और बड़ों की नजरें गर्व से चमकतीं। रेडियो भी कभी ऐसी ही हैसियत रखता था। छत पर एंटीना लगाना होता था जो दूर-दूर तक आपकी हैसियत को उजागर करता था। और डाक-तार विभाग से रेडियो सुनने के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य था। साइकिल चलाने के लिए भी नगरपालिका से टोकन खरीदना पड़ता था, जो उसकी नंबर प्लेट होता था। टेलीफोन कॉल्स एक्सचेंज के माध्यम से लगते थे, और टेलीफोन ऑपरेटर की कस्बों-शहरों में बड़ी प्रतिष्ठा थी। तार (टेलीग्राम) आना अक्सर बुरी खबर का संकेत था। तारवाला साइकिल पर आता, तो मोहल्ले की सांसें थम जातीं। बाद में बधाई के तार भी शुरू हुए, लेकिन उनकी गिनती कम थी।

बैंक में खाता होना भी बड़ी बात थी। पैसे निकालने के लिए चेक या निकासी पर्ची जमा कराना, टोकन लेना, और लंबी कतार में इंतजार करना एक छोटा-मोटा संठााम था। बिजली, पानी, या टेलीफोन का बिल जमा करने के लिए अलग-अलग कतारों में घंटों खड़ा होना पड़ता। मुझे याद है, एक बार बिजली बिल जमा करने की आखिरी तारीख थी, और मैं लाइन में देर तक खड़ा रहा, सिर्फ यह सुनने के लिए कि 'काउंटर बंद हो गया, कल आइए।' सिनेमा हॉल की टिकट खिड़की पर धक्का-मुक्की आज की मल्टीप्लेक्स पीढ़ी के लिए शायद अकल्पनीय हो। एक बार मैंने दोस्तों के साथ शोले देखने की ठानी, लेकिन टिकट खिड़की पर इतनी भीड़ थी कि हमें ब्लैक में टिकट खरीदना पड़ा। पत्र लिखना, लिफाफे में बंद करना, डाक टिकट लगाना, और डाकघर तक जाना–यह सब रोजमर्रा का हिस्सा था। लेकिन इन सबके बीच एक सामाजिकता थी, जो आज गायब है।

आज सब कुछ बदल गया है। हर हाथ में स्मार्टफोन है, जो रेडियो, कैमरा, रिकॉर्ड प्लेयर, कैलकुलेटर, घड़ी–सब कुछ बन गया है। यूपीआई ने वॉलेट और बैंक को हमारी जेब में ला दिया है। दुनिया के किसी भी कोने में तुरंत बात करना, वीडियो कॉल करना, टिकट बुक करना, या खरीदारी करना–सब कुछ घर बैठे संभव है। मल्टीप्लेक्स और ई-कॉमर्स ने सिनेमा और शॉपिंग के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है। उबर-ओला ने यात्रा को इतना आसान बना दिया कि अब रिक्शा बुलाने या चौराहे पर वाहन का इंतजार करने की जरूरत नहीं। रेल, हवाई जहाज, या सिनेमा का टिकट–सब कुछ एक क्लिक पर उपलब्ध है। पहले शहरों में किताबें ढूंढना मुश्किल था, लेकिन अब ई-कॉमर्स साइट्स अगले दिन किताबें घर पहुंचा देती हैं। मैं हर माह चार-पांच किताबें मंगवाता हूं, और ऑर्डर के अगले दिन वे मेरे हाथ में होती हैं। फोटो खींचने के बाद रील धुलवाने या प्रिंट करवाने की जरूरत खत्म हो गई। गाना सुनने के लिए कैसेट या सीडी खरीदने की आवश्यकता नहीं। बिल भुगतान, होटल रिजर्वेशन, पर्यटन स्थलों के टिकट–सब कुछ सुगम और त्वरित हो गया है। पहले घर से लंबी अनुपस्थिति में बिल जमा करने की चिंता सताती थी, लेकिन अब स्वचालित भुगतान ने इसे भी खत्म कर दिया। एक बार मैंने विदेश यात्रा के दौरान अपने मोबाइल से बिजली बिल भरा, और यह अनुभव मेरे लिए जादुई-सा था।

> **आज सब कुछ बदल गया है। हर हाथ में स्मार्टफोन है, जो रेडियो, कैमरा, रिकॉर्ड प्लेयर, कैलकुलेटर, घड़ी-सब कुछ बन गया है। यूपीआई ने वॉलेट और बैंक को हमारी जेब में ला दिया है। दुनिया के किसी भी कोने में तुरंत बात करना, वीडियो कॉल करना, टिकट बुक करना, या खरीदारी करना-सब कुछ घर बैठे संभव है।**

यह सुगमता तकनीक को अपनाने का परिणाम है। मैं स्वीकार करता हूं कि तकनीक के प्रति मेरा उत्साह और सीखने की ललक ने मुझे इसका लाभ उठाने में मदद की। मेरे कई हमउम्र लोग इसे अपनाने में हिचकते हैं, और यह उनका व्यक्तिगत चुनाव है। मैं केवल अपनी बात कहना चाहता हूं। पहले मैं इन सुविधाओं का उत्साही प्रशंसक था, लेकिन अब मेरा दृष्टिकोण बदल गया है। मुझे लगता है कि इस सुगमता की कीमत हमें कई स्तरों पर चुकानी पड़ रही है।

पहला नुकसान है सामाजिकता का कम होना। पहले, बिल जमा करने या टिकट खरीदने की कतारों में अनजान लोगों से बातचीत होती थी। हंसी-मजाक, सुख-दुख की बातें, और छोटे-बड़े अनुभव साझा होते थे। एक बार कतार में खड़े एक बुजुर्ग ने मुझे बताया था कि कैसे सस्ते में यात्रा के टिकट बुक किए जा सकते हैं–यह जानकारी मेरे लिए अनमोल थी। एक अन्य बार, बैंक की लाइन में एक व्यक्ति से बातचीत में मुझे अपने शहर के किसी छिपे हुए पर्यटन स्थल के बारे में पता चला, जहां बाद में मैं परिवार के साथ गया। ये मुलाकातें थकान को भुला देती थीं और उपयोगी जानकारियां देती थीं। आज, स्क्रीन पर उंगलियों के इशारे ने इन मुलाकातों को लगभग खत्म कर दिया। हमारी सामाजिकता अब व्हाट्सएप ग्रुप्स और सोशल मीडिया तक सिमट गई है, जहां भावनाओं की गहराई गायब है।

दूसरा, तकनीक के पीछे पूंजी का बड़ा खेल है। ई-कॉमर्स साइट्स सस्ते दामों पर सामान बेचकर उपकार नहीं कर रही हैं। उनका लक्ष्य स्थानीय व्यवसायों–रिक्शा वालों, ऑटो चालकों, छोटे दुकानदारों, किराना व्यापारियों–को ख़त्म करना है। मेरे मोहल्ले का एक रिक्शा चालक, जो मेरे बच्चों को स्कूल छोड़ता था, अब मजदूरी करने को मजबूर है, क्योंकि उबर-ओला ने उसकी आजीविका छीन ली है। हमारे पड़ोस की किराना दुकान, जहां मैं बचपन में सामान लाने जाता था, अब बंद हो चुकी है, क्योंकि लोग ऑनलाइन सामान मंगवाने लगे हैं। टेलीकॉम और कैब सेवाओं के उदाहरण हमारे सामने हैं। कुछ साल पहले एक टेलीकॉम कंपनी ने मुफ्त डेटा और कॉल्स देकर सभी को आकर्षित किया, लेकिन आज वह बाजार की एकमात्र बड़ी खिलाड़ी है, और छोटी कंपनियां गायब हो चुकी हैं। यह पूंजी का खेल हमारे स्थानीय अर्थतंत्र को कमजोर कर रहा है।

तीसरा, तकनीक ने हमें सुविधा के नाम पर निर्भरता की ओर धकेल दिया है। हमारी नई पीढ़ी को पत्र लिखना, कतार में धैर्य रखना, या स्थानीय दुकानदारों से मोलभाव करना नहीं आता। मेरे पौत्र को, जो कॉलेज में है, यह नहीं पता कि डाकघर कैसे काम करता है, क्योंकि उसने कभी पत्र नहीं लिखा। यह निर्भरता हमें अपनी स्वायत्तता से वंचित कर रही है। तकनीक ने हमें इतना आलसी बना दिया है कि हम छोटे-छोटे कामों के लिए भी ऐप्स पर निर्भर हैं। एक बार मेरा इंटरनेट बंद हो गया, और मुझे एहसास हुआ कि मैं अपने बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पा रहा था, क्योंकि मैंने कभी ऑफलाइन प्रक्रिया सीखी ही नहीं। यह निर्भरता हमें कमजोर बनाती है।

चौथा, तकनीक का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी गंभीर है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने हमें तुरंत संतुष्टि की आदत डाल दी है। हम अब इंतजार करना नहीं चाहते। पहले, किसी दोस्त को पत्र लिखकर उसका जवाब आने का इंतजार एक खूबसूरत अनुभव था। आज, अगर कोई व्हाट्सएप मैसेज का जवाब तुरंत नहीं देता, तो हम बेचैन हो जाते हैं। यह बेचैनी हमारी मानसिक शांति को प्रभावित करती है। बच्चे और युवा घंटों स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और रचनात्मकता पर असर पड़ रहा है। मेरे पड़ोस का एक बच्चा, जो पहले गलियों में क्रिकेट खेलता था, अब दिन-रात मोबाइल गेम्स में खोया रहता है। क्या यह प्रगति है?

तकनीक ने हमारा जीवन सुगम बनाया है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन इस सुगमता ने हमसे सामाजिकता, स्थानीय व्यवसाय, स्वायत्तता, और मानसिक शांति को छीन लिया है। हमें विचार करना होगा कि यह नया कितना स्वीकार्य है। क्या हम सुविधा के लिए अपनी सामाजिक और आर्थिक जड़ों को दांव पर लगा सकते हैं? क्या हम चाहेंगे कि हमारी आने वाली पीढ़ियां केवल स्क्रीन पर जीने वाली मशीनें बन जाएं? हमें यह तय करना होगा कि तकनीक को अपने जीवन का हिस्सा बनाना है या उसका ग़ुलाम बनना है। यह सवाल हमें भविष्य के लिए दिशा दे सकता है। हमें तकनीक का उपयोग करना चाहिए, लेकिन इस तरह कि हम अपनी मानवीयता, सामाजिकता, और स्वतंत्रता को बनाए रखें। शायद यही संतुलन हमें सच्ची प्रगति की ओर ले जाएगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

गाजा युद्ध के दो साल : तबाही, त्रासदी और भविष्य की चिंता

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर किए गए हमले ने विश्व को हिलाकर रख दिया। 1200 से अधिक निर्दोष इजरायली नागरिकों की हत्या और सैकड़ों को बंधक बनाए जाने की घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्तब्ध कर दिया। इस हमले ने इजरायल को जवाबी कार्रवाई के लिए प्रेरित किया, जिसे शुरू में आतंकवाद के खिलाफ न्याय की लड़ाई के रूप में देखा गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे अमेरिका के 9/11 हमले के बाद अल-कायदा के खिलाफ 'वॉर ऑन टेरर' से जोड़ा, और हमास को पूरी तरह नष्ट करने का वादा किया। लेकिन यह वादा जल्द ही एक ऐसी त्रासदी में बदल गया, जिसने गाजा को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया। दो साल बाद, गाजा का आईना हमें मानवीय तबाही, टूटे वादों, और विश्व की चुप्पी की भयावह तस्वीर दिखाता है।

गाजा: मलबे का शहर

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सैटेलाइट रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा की 80 प्रतिशत इमारतें अब खंडहर बन चुकी हैं। 90 प्रतिशत स्कूल ध्वस्त हो गए, 98.5 प्रतिशत खेत उजड़ गए, और गाजा पट्टी का 80 प्रतिशत हिस्सा सैन्य क्षेत्र में बदल गया है, जहाँ आम नागरिकों का प्रवेश वर्जित है। लगभग 62,000 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें 19,000 बच्चे शामिल हैं। 40,000 से अधिक बच्चे अनाथ हो गए हैं। गाजा, जो कभी 23 लाख लोगों का जीवंत घर था, अब भुखमरी और बेघरता का शिकार है। राहत एजेंसियों का कहना है कि यह अब एक शहर नहीं, बल्कि जीवित बचे लोगों का कैंप मात्र है।

युद्ध ने गाजा के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह तबाह कर दिया। यूएन के अनुमान के अनुसार, 4.5 लाख करोड़ रुपये का इन्फ्रास्ट्रक्चर नष्ट हो चुका है। 54 मिलियन टन से अधिक मलबा जमा है, जिसे साफ करने में कम से कम 10 साल और 1.2 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी। इजरायली सेना ने गाजा में एक किलोमीटर गहरा बफर जोन और चार सैन्य कॉरिडोर बनाए हैं, जिसके कारण गाजा का 80 प्रतिशत हिस्सा अब उनके नियंत्रण में है। आम नागरिकों की आवाजाही केवल 20 प्रतिशत क्षेत्र तक सीमित हो गई है। यह गाजा, जो कभी अपने बाजारों, समुद्र तटों, और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता था, अब अपनी पहचान खो चुका है।

शिक्षा और स्वास्थ्य का विनाश :–गाजा की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था भी इस युद्ध की भेंट चढ़ गई। युद्ध से पहले गाजा में 850 स्कूल थे, जिनमें से 90 प्रतिशत अब बंद हैं। सभी 10 विश्वविद्यालय नष्ट हो चुके हैं, और 30,000 करोड़ रुपये का शैक्षिक ढांचा खाक में मिल गया। स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति और भी भयावह है। गाजा में पहले 36 अस्पतालों में 3,412 बेड उपलब्ध थे, लेकिन अब 94 प्रतिशत अस्पताल क्षतिग्रस्त हैं, और आधे से अधिक पूरी तरह बंद हैं। 40,000 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य ढांचा नष्ट हो चुका है। बिजली, पानी, और दवाओं की कमी ने अस्पतालों को अंधेरे में डुबो दिया है। मरीज बिना इलाज के तड़प रहे हैं, और चिकित्सक बुनियादी उपकरणों के अभाव में असहाय हैं।

गाजा की 23 लाख आबादी में से 90 प्रतिशत लोग बेघर हो चुके हैं। लाखों लोग राहत कैंपों में बिना पानी, बिजली, और भोजन के जी रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा की 98.5 प्रतिशत कृषि भूमि उजड़ चुकी है। 15,000 हेक्टेयर में से केवल 232 हेक्टेयर खेती के लिए बचे हैं। इजरायली हवाई हमलों में प्रयुक्त विस्फोटकों ने मिट्टी में रासायनिक प्रदूषण को तीन गुना बढ़ा दिया है। इस मिट्टी को फिर से उपजाऊ बनाने में 25 साल लग सकते हैं। कभी उपजाऊ रही यह धरती अब बंजर हो चुकी है, जिसने गाजा की खाद्य सुरक्षा को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

युद्ध का मानवीय संकट :–यह युद्ध केवल सैन्य कार्रवाइयों तक सीमित नहीं रहा; यह मानवता के खिलाफ एक त्रासदी बन गया। गाजा की सघन आबादी वाले इलाकों में इजरायली बमबारी ने पूरे परिवारों को मिटा दिया। अस्पतालों में ईंधन की कमी के कारण नवजात शिशुओं की जान गई, राहत काफिलों को सीमाओं पर रोका गया, और शरणार्थी मलबे के बीच नंगे पाँव भटकने को मजबूर हुए। यह दृश्य इतना भयावह है कि यह संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। इजरायल ने हमास को नष्ट करने का दावा किया, लेकिन इस प्रक्रिया में गाजा की जनता को अभूतपूर्व पीड़ा दी। हमास ने इस तबाही को अपने पक्ष में इस्तेमाल करते हुए खुद को पीड़ितों का नायक साबित करने की कोशिश की। दोनों पक्षों के दावों के बीच, आम नागरिक ही कुचले गए। यह युद्ध न केवल रॉकेटों और बमों का था, बल्कि यह विश्वास, आशा, और मानवता को कुचलने का प्रतीक बन गया।

असफल युद्धविराम और ट्रंप की योजना :–पिछले दो वर्षों में मिस्त्र, कतर, और अमेरिका की मध्यस्थता में सात बार युद्धविराम के प्रयास हुए, लेकिन सभी विफल रहे। अब डोनाल्ड ट्रंप की "20-सूत्रीय गाजा शांति योजना" ने कुछ उम्मीद जगाई है। इस योजना में गाजा को 20 आधुनिक शहरी केंद्रों में विभाजित करने, बुनियादी ढांचे, आवास, स्वास्थ्य, और शिक्षा सुविधाओं के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव है। इजरायली उद्योगपति एलियाजेरा फेल्डमैन की इस योजना का लक्ष्य गाजा को सिंगापुर जैसा आधुनिक क्षेत्र बनाना है। यह योजना बंधकों की रिहाई, पूर्ण युद्ध समाप्ति, गाजा के निशस्त्रीकरण, और अंतरिम अंतरराष्ट्रीय प्रशासन के माध्यम से पुनर्निर्माण की बात करती है।

हालांकि, इस योजना की आलोचना भी हो रही है। हमास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इसे 'जातीय सफाई' का प्रयास बताया है, जबकि मानवाधिकार संगठन इसे गाजा की संप्रभुता को कुचलने वाला मानते हैं। योजना में हमास को जानबूझकर बाहर रखा गया है, जो एक जटिल सामाजिक-राजनीतिक नेटवर्क है और आसानी से हाशिए पर नहीं जाएगा। यह योजना गाजा के मानवीय संकट को एक कॉर्पोरेट प्रोजेक्ट में बदलने का जोखिम उठाती है, जो टू-स्टेट समाधान को कमजोर कर सकती है। बिना फिलिस्तीनी स्वामित्व और भागीदारी के, यह योजना उपनिवेशवाद का रूप ले सकती है, जो दीर्घकालिक शांति के बजाय नए तनाव पैदा करेगी।

विश्व की चुप्पी और भविष्य की चुनौतियाँ :–गाजा की त्रासदी में विश्व समुदाय की चुप्पी सबसे बड़ा अपराध है। हमने स्क्रीनों पर देखा–घर गिरते, बच्चे भूख से मरते, और शहर धूल में बदलते। लेकिन कार्रवाई? संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव अधर में लटके, सहायता काफिले रोके गए, और मानवाधिकारों की बातें केवल कागजों तक सीमित रहीं। ट्रंप की योजना एक अवसर हो सकती है, लेकिन यह तभी सार्थक होगी जब इसमें फिलिस्तीनियों को निर्णय लेने का अधिकार मिले। बिना उनके स्वामित्व के, यह योजना केवल राजनीतिक लाभ का साधन बनकर रह जाएगी। दो साल बाद, गाजा का आईना हमें एक कड़वी सच्चाई दिखाता है: युद्ध कभी भी उस तरह खत्म नहीं होते, जैसा उनके कर्ता चाहते हैं। यह इजरायल की हार है, जिसने अपनी सुरक्षा के नाम पर एक मानवीय त्रासदी को जन्म दिया। यह हमास की हार है, जिसने अपने लोगों को युद्ध की आग में झोंक दिया। और यह विश्व समुदाय की हार है, जो चुपचाप यह सब देखता रहा। अब सवाल यह है कि क्या हम फिर वही गलतियाँ दोहराएँगे? या गाजा को एक नई शुरुआत देंगे–न्याय, समानता, और मानवता के साथ । शांति की राह लंबी और कठिन है, लेकिन अगर हम इसे नहीं चुनते, तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

– डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत, बीकानेर, (लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है।)

बुढ़ापे की लाठी: भारत के वरिष्ठ नागरिकों को क्या मिलता है और उन्हें क्या मिलना चाहिए

अशोक कुमार

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 2025, 1 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। यह दिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा समाज में वृद्ध लोगों के योगदान को स्वीकार करने और वृद्धजनों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर, भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारें वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं और उनकी कल्याणकारी योजनाओं को प्रमुखता से उजागर करती हैं।

यह दिन कोई नई सुविधाएँ शुरू करने का दिन नहीं है, बल्कि मौजूदा सुविधाओं और अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक मंच है। 2025 में भी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय तथा अन्य संगठन इसी दिशा में कार्य करेंगे। भारतवर्ष में वृद्धजनों (वरिष्ठ नागरिकों) के लिए सरकार द्वारा कई स्तरों पर सुविधाएं और कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाती हैं, लेकिन वैश्विक मानकों और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए, सुधार और नई पहल की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है।

. भारत में वर्तमान में वृद्धजनों को दी जाने वाली प्रमुख सुविधाएँ

वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त बनाने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा निम्नलिखित प्रमुख सुविधाएँ दी जाती हैं:–

क्षेत्र वर्तमान सुविधाएँ और योजनाएँ

वित्तीय सुरक्षा

1. वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एणएए): बैंक और डाकघरों में जमा पर सामान्य से अधिक ब्याज दर। ।

2. प्रधानमंत्री वय वंदना योजना : 60ह्र के लिए एक पेंशन सह बीमा योजना।

3. आयकर में छूट: 60 से 80 वर्ष के लिए उच्च कर छूट सीमा, और 80 वर्ष से अधिक के लिए उच्चतम छूट सीमा।

4. अटल पेंशन योजना: असंगठित क्षेत्र के लिए मासिक पेंशन की गारंटी।

सामाजिक सुरक्षा योजना

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना : गरीबी रेखा से नीचे के 60 वर्ष से अधिक आयु वालों को मासिक पेंशन।

2. अन्नपूर्णा योजना: उन बेसहारा वरिष्ठ नागरिकों को 10 किलो मुफ्त खाद्यान्न जो किसी पेंशन योजना में शामिल नहीं हैं।

3. वृद्धाश्रम/डे केयर सेंटर: ऱ्उध्े को एकीकृत कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करना।

स्वास्थ्य एवं देखभाल

1. आयुष्मान भारत योजना: 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों (गरीब-अमीर सभी) के लिए 5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा (यह योजना 2024 में घोषित हुई थी)।

2. जरा चिकित्सा विभाग (ऊर्ींग्म र्णें): सरकारी अस्पतालों में जरा चिकित्सा (बुजुर्गों के विशेष स्वास्थ्य देखभाल) विभाग स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम।

3. प्राथमिकता: अस्पताल और डिस्पेंसरी में अलग कतार और प्राथमिकता के आधार पर इलाज।

कानूनी सुरक्षा

1. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007: यह कानून बच्चों को माता-पिता की देखभाल करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य करता है।

2. वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन : दुर्व्यवहार या सहायता के लिए टोल-फ्री राष्ट्रीय हेल्पलाइन (14567)।

यात्रा एवं आवागमन

1. रेलवे: आरक्षण में लोअर बर्थ का कोटा, प्राथमिकता बुकिंग और व्हीलचेयर सहायता। (कोविड के बाद अधिकांश रियायती किराए निलंबित हैं)।

2. हवाई यात्रा: एयर इंडिया द्वारा मूल किराए पर रियायत (60ह्र आयु)।

3. बैंक/डाकघर: वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग काउंटर और प्राथमिकता सेवा।

आवश्यक और अपेक्षित सुविधाएँ जो दी जानी चाहिए

भारत में वृद्धजनों की बढ़ती आबादी और उनकी विशिष्ट चुनौतियों को देखते हुए, निम्नलिखित अतिरिक्त सुविधाओं और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है:

आवश्यक क्षेत्र , अपेक्षित सुविधाएँ (सुधार के लिए सुझाव)

1. आय और वित्तीय सुरक्षा

यूनिवर्सल पेंशन: सभी गरीब और जरूरतमंद वृद्धजनों के लिए न्यूनतम सम्मानजनक मासिक पेंशन (जैसे 3000-5000), जो महंगाई दर से जुड़ी हो। वर्तमान पेंशन राशि बहुत कम है। विश्वविद्यालयों के वित्तीय मॉडल की समीक्षा की जाए और फीस, अनुदान तथा स्वायत्त आय के बीच संतुलन स्थापित किया जाए ताकि वे केवल पेंशन के लिए सरकार पर पूरी तरह निर्भर न रहें।

स्वास्थ्य एवं दीर्घकालिक देखभाल ।

1. दीर्घकालिक देखभाल बीमा: वृद्धावस्था में लगने वाली दीर्घकालिक देखभाल (जैसे नर्सिंग होम, सहायक देखभाल) के लिए विशेष सरकारी बीमा योजना की शुरुआत करना।

2. जरा-चिकित्सा विशेषज्ञों की उपलब्धता: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (झ्प्) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (ण्प्) तक जरा-चिकित्सा विशेषज्ञों और प्रशिक्षित नर्सों की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना। ।

3. घर पर स्वास्थ्य सेवा (प्दस पैंर्तूप्मे): गंभीर रूप से बीमार या बिस्तर पर पड़े बुजुर्गों के लिए रियायती दरों पर सरकारी होम हेल्थकेयर सेवाओं की शुरुआत करना।

सामाजिक समावेशन एवं सुरक्षा

1. डिजिटल साक्षरता और सहायता: बैंक, सरकारी सेवाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए डिजिटल पहुँच में वृद्धजनों की सहायता हेतु हर क्षेत्र में समर्पित सहायता केंद्र स्थापित करना।

2. एज-फ्रेंडली शहर (ॅा-ईगह्त्ब ण्गे): सार्वजनिक परिवहन, पैदल मार्ग, पार्क और सार्वजनिक शौचालयों को वृद्धजनों की शारीरिक जरूरतों के अनुरूप बाधा-मुक्त बनाना (ॅम्मेगंत)।

3. वृद्धजन कार्य ब्यूरो (स्ंत्दब्सहूॅलैल): 60ह्र के लिए उनके कौशल और अनुभव के आधार पर लचीले, अंशकालिक (ईूॅ-ऊग्स) रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु एक राष्ट्रीय मंच या ब्यूरो बनाना।

कानूनी क्रियान्वयन . भरण-पोषण अधिनियम का सख्त कार्यान्वयन: भरण-पोषण अधिनियम, 2007 के तहत मामलों के त्वरित निपटान के लिए विशेष ट्रिब्यूनल और प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाना।

इन अतिरिक्त और सुधारित सुविधाओं को प्रदान करके, भारत अपने वृद्धजनों के प्रति अपनी संवैधानिक प्रतिबद्धता को मजबूत कर सकता है और उन्हें सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय भागीदारी वाला जीवन सुनिश्चित कर सकता है।

–अशोक कुमार, पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय; पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिये वरदान बना

शिविर में ग्रामवासियों को विभिन्न विभागों से जुड़ी योजनाओं का लाभ मिला

रतनगढ़, (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेंलूसर में 11 अक्टूबर को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2025 ग्रामीणों के लिए उम्मीद और राहत का संदेश लेकर आया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुँचकर विभिन्न विभागों से जुड़ी योजनाओं का लाभ उठाया।

ग्राम विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह कर्णावत ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली है। अब किसी भी लाभार्थी को दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। सभी विभाग एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों सुनिश्चित होती हैं। मुख्यमंत्री की इस योजना से कोई भी पात्र व्यक्ति अब सरकारी लाभ से वंचित नहीं रहेगा। शिविर में लाभार्थी शुभदान पुत्र भेंरूदान चारण ने प्रसन्नता जताते हुए कहा पहले छोटे-छोटे काम के लिए महीनों दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन इस शिविर में मेरा पट्टा सरलता से बन गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरा सहयोग किया, जिससे कार्य आसानी से निपट गया। अन्य ग्रामीणों ने भी सरकार और प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिविरों के जरिए अब योजनाओं की जानकारी और लाभ सीधे गाँव-गाँव तक पहुँच रहा है। इस अवसर पर तहसीलदार पूजा पारीक, प्रसारक प्रगति प्रसार अधिकारी संजय पारीक, प्रशासक सुनीता कंवर राठौड़, सरपंच प्रतिनिधि महावीर सिंह राठौड़, प्रभु सिंह, युवा नेता कल्याणसिंह सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 13 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र दिन 12:27 तक, परिघ योग प्रातः 8:10 तक, बव करण दिन 12:15 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 12:27 तक है। आज कालाष्टमी, अहोई अष्टमी है। आज अरुणोदय काल में मथुरा के राधा कुण्ड में स्नान है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:53 तक, शुभ 9:21 से 10:47 तक, चर 1:39 से 3:05 तक, लाभ अमृत 3:05 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 5:57

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले ब मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

धनु

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

मीन

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 74 प्रभात अजमेर, सोमवार 13 अक्टूबर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा ने जम्मू-कश्मीर राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किये

नयी दिल्ली, 12 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव 2025 के लिए तीन नामों को मंजूरी दे दी है।

- पार्टी के मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सतपाल शर्मा के नाम की घोषणा की।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने रविवार को राज्यसभा चुनाव 2025 के लिए गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सतपाल शर्मा के नामों का ऐलान किया।

दूसरी ओर सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने तीन सीटों के लिए अपने पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। एनसी के वरिष्ठ नेता चौधरी मुहम्मद रमजान, शम्मी ओबेरॉय और सज्जाद किचलू को राज्यसभा चुनाव लड़ने के लिए नामित किया गया है। चौथी सीट के बारे में कांग्रेस के साथ बातचीत चल रही है।

चुनाव आयोग ने 24 सितंबर को घोषणा की थी कि जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 24 अक्टूबर को होंगे। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा की सीटें रिक्त हो गयी थीं क्योंकि फरवरी 2021 के बाद कोई विधानसभा नहीं होने के कारण इन सीटों पर चुनाव नहीं हो सके थे।

एनडीए ने बिहार में सीटों का बंटवारा पूरा किया

भाजपा व जदयू 101-101, चिराग 29, मांझी व कुशवाहा 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

- भाजपा के धर्मेन्द्र प्रधान, जदयू के संजय झा, चिराग पासवान और जीवन राम मांझी ने अधिकारिक रुप से बंटवारे पर संतोष व्यक्त किया है।
- पिछले विधानसभा चुनाव के समय एनडीए के घटक दलों में टिकटों के बंटवारे की तुलना में इस बार जदयू को 21 तथा भाजपा को 20 टिकट कम मिले हैं। पर कुल मिलाकर दोनों दलों को संतोष है कि टिकटों का बंटवारा राजी-खुशी निपट गया।

पटना, 12 अक्टूबर। लंबी खींचतान के बाद आखिरकार एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है। यह जानकारी भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान और जदयू नेता संजय झा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दी।

सीट बंटवारे के तहत इस बार जदयू और भाजपा 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली हैं। वहीं चिराग पासवान की पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए 29 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को 6-6 सीट दी गई हैं।

सीट बंटवारे में सबसे अधिक, 14 सीटें जदयू को छोड़नी पड़ी हैं। भाजपा की नौ और हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा की एक सीट गई। अगर पिछले चुनाव के समय हुए सीटों के बंटवारे को देखें तो जदयू के हिस्से की 21 और भाजपा के हिस्से की 20 सीटें निकल गई हैं। जदयू की यह जिद भी नहीं रही कि पिछले चुनाव में हम जिन सीटों पर लड़े थे, उनमें कोई सीट लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के लिए नहीं छोड़ेंगे।

जदयू नेता संजय झा ने सीट शेयरिंग के बारे में जानकारी देते हुए लिखा हम एनडीए के साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूर्ण किया है।

सीट बंटवारे के बारे में जीतन राम मांझी के बेटे और बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा हम एनडीए साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूरा किया।

लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर कहा, एनडीए परिवार ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीटों का बंटवारा पूरा किया है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीट बंटवारे में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को एनडीए की ओर से 6 सीटें दी गई हैं। इस पर पार्टी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने संयमित प्रतिक्रिया दी है। मांझी ने कहा कि संसद में हमें सिर्फ एक सीट मिली थी, तब भी हमने कोई नाराजगी नहीं जताई थी। अब अगर बिहार विधानसभा चुनाव में हमें छह सीटें मिली हैं, तो ये हाईकमान का फैसला है और हमें स्वीकार है। उन्होंने आगे कहा कि हमें जितना दिया गया है, हम उसमें संतुष्ट हैं। हमें किसी से कोई शिकायत नहीं है।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार चुनाव के लिए भाजपा के मुख्यालय में मुख्य चुनाव समिति (सीईसी) बैठक में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं।

गाज़ा पर शांति शिखर सम्मेलन में भारत के विदेश राज्य मंत्री भाग लेंगे

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। गाज़ा के मुद्दे पर मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सोमवार को होने वाले इस शांति सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप सहित दुनिया के 20 शीर्ष नेता शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए मिस्र की ओर से निमंत्रण भेजा गया था।

- इस सम्मेलन ट्रंप सहित विश्व के 20 शीर्ष नेता शामिल होंगे।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गाज़ा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति ट्रंप की गाज़ा शांति योजना के प्रथम चरण के प्रभावी होने के कुछ दिनों बाद होने जा रहा है। गाज़ा में युद्धविराम शुक्रवार को लागू हुआ।

ट्रंप के अलावा सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हमास सोमवार सुबह 20 जीवित बंधकों को रिहा करेगा। दो साल पहले 7 अक्टूबर,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुर्गापुर मेडिकल छात्रा दुष्कर्म मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के पास से पीड़िता का मोबाइल फोन बरामद किया

- प.बंगाल की मुख्य मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि निजी मेडिकल कॉलेज प्रशासन को किसी लड़की की रात को बाहर जाने की अनुमति नहीं देनी चाहिये।
- मोबाइल की लोकेशन के आधार पर ही पुलिस आरोपियों तक पहुंची थी। इस कार्य में पुलिस ने ड्रोन की भी मदद ली थी।

कोलकाता, 12 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल की छात्रा के साथ दुष्कर्म मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपियों की पहचान शेख रियाजउद्दीन उर्फ मंटू, अप्पू बाउरी और फिरदौस शेख के रूप में हुई है जो बिजड़ा गांव के निवासी हैं। इन सभी पर सामूहिक दुष्कर्म के तहत मामला दर्ज किया गया है। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान का खुलासा पुलिस ने नहीं किया है।

रविवार को ही गिरफ्तार लोगों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने तीनों को दस दिनों की पुलिस रिमांड में भेज दिया। पुलिस के मुताबिक अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

उल्लेखनीय है कि घटना कॉलेज कैंपस से करीब 700 मीटर की दूरी पर घटी। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने आरोपियों के पास से पीड़िता का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। जांच अधिकारियों के अनुसार तीनों के खिलाफ प्रत्यक्ष सबूत मिले हैं।

इसी मोबाइल के लोकेशन के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। सूत्रों के मुताबिक शनिवार रात भर आरोपियों की तलाश की गई और रविवार को भी ड्रोन की मदद से फरार आरोपियों की तलाश की।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह घटना कॉलेज कैंपस से करीब 700 मीटर दूर झाड़ियों से घिरे एक नशे के अड्डे पर हुई, जहां लंबे समय से शराब और गांजे का अवैध कारोबार चल रहा था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार देर रात छात्रा और उसका एक सहपाठी कैंपस के बाहर टहलने निकले थे।

उसी दौरान अड्डे पर मौजूद तीनों आरोपी छात्रा से छेड़छाड़ करने लगे और फिर उसे जबरन जंगल की ओर खींच कर ले गए। वहीं छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सामूहिक बलात्कार पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि किसी लड़की को रात में बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दुर्गापुर में मेडिकल की छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना पर राजनीति गरमाने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नाराज दिखीं। उन्होंने दूसरे राज्यों में रेप की घटनाओं का जिक्र किया।

ममता बनर्जी ने कहा कि वह लड़की निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी, इसलिए निजी मेडिकल कॉलेज की जिम्मेदारी है। वह रात के 12.30 बजे कैसे बाहर आ गई।

जहां तक मुझे पता है कि यह वन क्षेत्र में हुआ था, इसलिए 12.30 बजे मुझे नहीं पता कि क्या हुआ। पुलिस जांच कर रही है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

भरतपुर में 18 साल के नेशनल एथलीट की हार्ट अटैक से मौत

एथलीट रिंकू सिंह सुबह उठा तो हाथ-पैरों में कंपकंपी महसूस हुई और बेचैनी हो रही थी

भरतपुर, (निसं)। 18 साल के नेशनल एथलीट रिंकू सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह सुबह उठा तो हाथ-पैरों में कंपकंपी महसूस हुई और बेचैनी हो रही थी। बेहोशी छाने पर रूममेट उसे अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रिंकू रोजाना पांच किलोमीटर की दौड़ लगाता था। वह 10 दिन पहले ही स्टेट चैम्पियनशिप खेल कर आया था। उसे 100 मीटर रिले रेस में तीसरा स्थान मिला था। मामला भरतपुर के अटलबंद थाना इलाके का रविवार सुबह का है।

- रिंकू सिंह रोजाना पांच किलोमीटर की दौड़ लगाता था, 10 दिन पहले ही स्टेट चैम्पियनशिप खेलकर आया था
- एथलीट रिंकू सिंह का सपना था कि वह इंडिया के लिए खेले, लेकिन रिंकू का सपना अधूरा रह गया

पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर राघवेंद्र ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला हार्ट अटैक का है। हालांकि विसरा ले लिया है और फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

चाचा बॉबी सिंह निवासी नागर गांव थाना अछनेरा जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) ने बताया कि मेरा भतीजा रिंकू (18) एथलीट था। वह रोजाना 5 किलोमीटर रनिंग भी करता था। रिंकू भरतपुर में रहकर रनिंग की तैयारी कर रहा था। रिंकू रविवार सुबह उठा तो उसके पैरों और हाथों में कंपकंपी महसूस हुई। उसका रूम पार्टनर उसे तुरंत प्राइवेट हॉस्पिटल ले गया। वहां से उसे भरतपुर रेफर कर दिया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चाचा ने बताया कि रिंकू के रूम पार्टनर ने ही हमें फोन करके उसकी मौत की जानकारी दी थी। यहां पहुंचने पर डॉक्टर ने बताया कि रिंकू को जो लक्षण थे, वो हार्ट अटैक के हैं। उसे बेचैनी और घबराहट हुई थी।

बॉबी सिंह ने बताया कि रिंकू उत्तरप्रदेश की कई एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेता था और मेडल लेकर आता था। उसके पिता भीकम सिंह मजदूरी करते हैं, लेकिन उसकी प्रतिभा को देख हमेशा उसे सपोर्ट करते थे। उसकी रनिंग के प्रति जुनून देखकर हमारे अछनेरा गांव के आस-पड़ोस के लोगों ने उसका भरतपुर में रहकर तैयारी करने का इंतजाम किया था। वह रोजाना लोहागढ़ स्टेडियम में दौड़ लगाने के लिए जाता था। चाचा ने बताया कि रिंकू का बड़ा भाई कानपुर में मजदूरी करता है। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। रिंकू 10 दिन पहले ही स्टेट खेल कर आया है, जहां वह तीसरे नंबर पर आया था। इसके अलावा वह दिसंबर 2024 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी खेल चुका है। दिसंबर 2024 में ही वह नेशनल खेल चुका है। उसने पांच हजार मीटर रेस में भाग लिया था। उसका सपना था कि वह इंडिया के लिए खेले, लेकिन रिंकू का सपना अधूरा रह गया।

अलवर : करण मल्होत्रा हत्याकांड के चार आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर में करण मल्होत्रा हत्याकांड के चार आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने उनका जुलूस निकाला। पुलिस ने आरोपियों को फटे कपड़ों में नंगे पांव सड़क पर चलाया। इस दौरान सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिनमें से कई ने अपने मोबाइल से इस घटना का वीडियो भी बना लिया।

- पुलिस ने हत्या के आरोपियों का नंगे पैर ही शहर में जुलूस निकाला
- आरोपियों ने नौ अक्टूबर की रात को करण मल्होत्रा लाठी-डंडे और रिम से हमला कर हत्या कर दी थी

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने नौ अक्टूबर की रात को करण मल्होत्रा (24) पर लाठी-डंडे और साइकिल की रिम से हमला कर हत्या कर दी थी। हमले में युवक के भाई का भी हाथ टूट गया था। पुलिस ने अजरूदीन (28) और मुनफेद (26) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया, जबकि अली मोहम्मद (25) और शाहिद उर्फ सांडा (28) को रविार को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब बाकी फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। बख्तल की चौकी पर करण मल्होत्रा हत्या मामले में शनिवार सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया था। अस्पताल में इकठ्ठा हुए परिवार के लोगों ने हंगामा किया था। दोपहर बाद समझाइश पर धरना खत्म कर दिया गया था।

बेकाबू होकर मिनी ट्रक पलटा

उदयपुर, (कासं)। जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र से गुजरने वाले उदयपुर-गुजरात फोरलेन पर आए दिन हादसों का सिलसिला नहीं थम रहा है। शनिवार देर रात खोखरिया नाल सुरंग के पास एक और हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक अचानक बेकाबू हो गया और बीच सड़क पर पलट गया। ट्रक गोगुंदा की ओर से इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर पिंडवाड़ा की ओर जा रहा था। ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण ये हादसा हुआ। ट्रक की स्पीड इतनी तेज थी कि वह पलटने के बाद करीब 25 मीटर तक सड़क पर घिसटता रहा। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि चालक और खलासी को हल्की चोटें आई, जिन्हें बेकरिया सरकारी हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार दिया गया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही बेकरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची।साथ ही हाईवे एम्बुलेंस और नेशनल हाईवे टीम भी पहुंची। हाईवे टीम ने पुलिस की मदद से ट्रैफिक व्यवस्था बहाल कराई।

होटल पर काम करने आए तीन मजदूरों ने छह लाख रुपए चोरी किये

सीकर, (निसं)। सीकर के सदर थाना इलाके में होटल पर काम करने आए 3 मजदूरों ने 6 लाख रुपए चोरी कर लिए। होटल मालिक ने गाड़ी खरीदने के लिए यह रुपए रखे हुए थे। पुलिस अब चोरों की तलाश कर रही है। इस संबंध में रामेश्वर सिंह ने सीकर के सदर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

- होटल मालिक ने गाड़ी खरीदने के लिए रुपए रखे थे, मामला दर्ज

रामेश्वर सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने नेशनल हाईवे संख्या 52 पर रसीदपुरा प्याज मंडी के सामने होटल खोल रखा है। होटल पर काम करने के लिए तीन लड़के चाहिए थे। ऐसे में उन्होंने चित्तौड़गढ़ के घनश्याम उर्फ बाबूलाल को बोला। बाबूलाल होटल पर लैबर सप्लाई करने का काम करता है। बाबूलाल ने रामेश्वर की होटल पर 8 अक्टूबर को 3 मजदूर भेजे। इनमें एक का नाम कालू था। उसके साथ दो अन्य मजदूर थे। तीनों एक साथ होटल पर आए और वापस चले गए, फिर रामेश्वर ने बाबूलाल से बात की तो उसने कहा कि आप धनराज से बात करो। रामेश्वर ने धनराज से बात की तो धनराज ने 9 अक्टूबर को कालू और अन्य दो मजदूरों को होटल पर भेजा। दोपहर 3 बजे के करीब तीनों लड़के होटल पर आए। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर से वह होटल पर काम करना शुरू कर देंगे। जब रामेश्वर ने उनसे आईडी मांगी तो तीनों मजदूरों ने कहा कि वह परसों तक मंगवा देंगे। रात को तीनों लड़के होटल में खाना खाकर स्टाफ रूम में सो गए। होटल में रामेश्वर ने काउंटर में 6 लाख रुपए रखे हुए थे। रामेश्वर यह पैसे अपने रिश्तेदारों से नई गाड़ी खरीदने के लिए लेकर आए थे। सुबह जब रामेश्वर होटल पर आकर देखा तो ऑफिस के काउंटर का लॉक टूटा हुआ था। साथ ही उसमें रखे छह लाख रुपए भी गायब थे। स्टाफ रूम में जब रामेश्वर ने जाकर देखा तो तीनों लड़के नहीं थे। उन्हें जनरेटर के पास संडासी और चाकू पड़े मिले। ऐसे में अंदेशा है कि तीनों मजदूरों ने इन्हीं के जरिए अकाउंट का लॉक तोड़ा हो। जब होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए तो पता चला कि 3 से 5 बजे के बीच तीनों मजदूर ऑफिस के अंदर और बाहर आते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल पुलिस अब चोरों की तलाश कर रही है।

विवाहिता ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

छबड़ा, (निसं)। कुछ दिनों पूर्व चाय बनाते समय झुलसी खेरखेड़ा नाथूराम गांव निवासी विवाहिता की रविवार को इलाज के दौरान कोटा चिकित्सालय में मौत हो गई, जिसका कोटा एसडीएम द्वारा गठित बोर्ड ने पोस्टमार्टम करवाकर शव मृतका के पिता के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार छबड़ा उपखण्ड के खेरखेड़ा नाथूराम गांव निवासी विवाहित महिला रानू कंवर गत 8 अक्टूबर को चाय बनाते समय झुलस गई थी, जिसका उपचार कोटा चिकित्सालय में चल रहा था। रविवार को रानू कंवर ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पाली थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया तथा कोटा एसडीएम द्वारा गठित बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव मृतका के पिता के सुपुर्द कर दिया।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में "पेंटेड स्टॉर्क" की बढ़ती संख्या ने पर्यटकों का मन मोहा

भरतपुर, (निसं)। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जो पक्षियों की प्रजातियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है, इस बार पेंटेड स्टॉर्क की रिकॉर्ड संख्या के साथ प्रकृति प्रेमियों का दिल जीत रहा है। मानसून की भरपूर बारिश और पानी की निरंतर आपूर्ति ने उद्यान की झीलों को जीवन से भर दिया

- पेंटेड स्टॉर्क दक्षिण भारत से इस सुरक्षित स्थान पर माह अगस्त सितम्बर में आने लगती है
- पेंटेड स्टॉर्क राष्ट्रीय उद्यान के अपना घोंसला बनाकर वंश वृद्धि कर उनका पालन करती है

वन्यजीव फोटोग्राफर दीपक मुद्गल ने पक्षियों के मनमोहक दृश्यों को अपनी तस्वीरों में कैद किया।

है, जिससे ये रंग-बिरंगे पक्षी बड़ी संख्या में यहां आकर्षित हुए हैं। उनकी गुलाबी पंखों की चमक और लंबी टांगों की सुंदरता उद्यान को एक जीवंत चित्रपट की तरह सजा रही है।

वन्यजीव फोटोग्राफर दीपक मुद्गल ने इन पक्षियों के मनमोहक दृश्यों को अपनी तस्वीरों में कैद किया है, जो सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रही हैं। मुद्गल ने कहा कि सुबह की सुनहरी धूप में इन पक्षियों को उनके घोंसलों में व्यस्त देखना किसी जादू से कम नहीं। यह नजारा न केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि प्रकृति के संरक्षण का महत्व भी सिखाता है। मुद्गल ने बताया कि पेंटेड स्टॉर्क दक्षिण भारत से इस सुरक्षित स्थान पर माह अगस्त सितम्बर में आने लगती हैं जो राष्ट्रीय उद्यान के अपना घोंसला बनाकर वंश वृद्धि कर उनका पालन करती हैं और माह मार्च के आसपास ये अपने बच्चों के साथ वापस दक्षिण भारत लौट जाती है।

डीएफओ मानस सिंह ने इस दृश्य को प्रकृति की अनमोल देन बताया और कहा कि पेंटेड स्टॉर्क की यह संख्या हमारे संरक्षण प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। पांचना बांध से पानी और प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों ने पक्षियों के लिए स्वर्ग जैसा माहौल बनाया है। पर्यटक और स्थानीय लोग साइकिल व रिक्शा सफारी के जरिए इस खूबसूरत नजारे का लुत्फ उठा रहे हैं। यह मनोरम दृश्य न केवल पक्षी प्रेमियों के लिए एक उपहार है, बल्कि हमें इस प्राकृतिक धरोहर को सहेजने की प्रेरणा भी देता है।

ऊर्जा मंत्री के काफिले के आगे बालक आने से कार पलटी, पांच घायल

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के काफिले में चल रही एक बोलेरो कार रविवार शाम को दुर्घटना की शिकार हो गई। दुर्घटना में पांच जने घायल हुए हैं। मंत्री हीरालाल नागर ने सभी घायलों को अस्पताल भिजवाकर इलाज की पुख्ता व्यवस्था कराई है।

- मंत्री हीरालाल नागर ने सभी घायलों को अस्पताल भिजवा कर इलाज की व्यवस्था कराई

उल्लेखनीय है कि मंत्री नगर रविवार को सुबह विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा के साथ होने वाली मीटिंग में भाग लेने के लिए जयपुर जा रहे थे। इसी बीच टोंक में गोपीपुरा के निकट हादसा हो गया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर कोटा से जयपुर जा रहे थे। उनके ठीक पीछे एस्कॉर्ट में चल रही बोलेरो कार के आगे अचानक बच्चा आ गया, जिससे कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार में सवार तीन पुलिसकर्मी और चालक घायल हुए हैं, जबकि घायल बच्चे को कोटा रैफर किया गया है। हादसे के बाद ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं जिला कलेक्टर और एसपी से बात कर उनके ईलाज और अन्य व्यवस्थाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। साथ ही पांच वर्षीय बालक हिमांशु धाकड़ को रेफर किए जाने के बाद कोटा एमबीएस अस्पताल में अधीक्षक को फोन कर सभी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, ऊर्जा मंत्री के कार्यालय का स्टॉफ भी एमबीएस अस्पताल में पहुंच गया। टोंक से बालक के कोटा पहुंचने पर स्वयं अस्पताल अधीक्षक ने खड़े रहकर बच्चे का इलाज करवाया। फिलहाल बालक अस्पताल में भर्ती है। घटना में सहायक उप निरीक्षक मुंशी राम, पुलिसकर्मी रामदयाल, रामदयाल गंगाराम और चालक मनराज गुर्जर भी घायल हुए हैं।

बस लूट प्रयास में पांच आरोपी गिरफ्तार, दो बाल अपचारी डिटेन

वारदात में शामिल ईको गाड़ी ड्राइवर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने लूट की नीयत से बस रुकवाने के पांच और आरोपियों को गिरफ्तार कर दो नाबालिगों को डिटेन किया है। इससे पहले पुलिस वारदात में शामिल एक ईको गाड़ी ड्राइवर को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने बदमाशों से उठक-बैठक लगवाई, जिस पर बदमाशों ने फिर से अपराध नहीं करने की बात कही। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जिले के आसपुर पुलिस उपाधीक्षक हनुवंत सिंह भाटी ने बताया कि करण सिंह पुत्र दौलत सिंह डाबी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया कि वह अन्नपूर्णा ट्रैवल्स का मैनेजर है। ट्रैवल्स मैनेजर पदमसिंह डाबी ने फोन कर उसे पुनाली घाटा पर बस पर हमले की वारदात बताई थी। बस ड्राइवर देवकुमार मीणा ने बताया कि उनकी एक बस प्रतिदिन डूंगरपुर से इंदौर जाती है। 7 अक्टूबर देर शाम बस डूंगरपुर से इंदौर जाने के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान डूंगरपुर आसपुर मार्ग पर पुनाली घाटा में ईको सवार हथियार बंद बदमाशों ने बस को ओवरटेक करते हुए ईको गाड़ी को बस के आगे लगा दी और बस को रुकवा लिया। बस को रोकते ही कार में सवार करीब सात से आठ युवक हाथों में लठ्ठ और तलवार लेकर नीचे उतरे। बदमाशों को देखकर बस ड्राइवर ने केबिन की लाइट चालू कर दी। लाइट चालू करते ही सवारियां चिल्लाने लगी और हल्ला सुनकर बदमाश भाग खड़े हुए। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज करते हुए कार के नम्बर के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने कार के ड्राइवर सोहनलाल उर्फ सोहन पुत्र शंकर परमार निवासी कांकरी को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया था। उसने अपने साथियों के नाम भी बताए, जिस पर पुलिस ने उसके साथियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने कोलखंडा निवासी गोपाल परमार, कालू गामडा निवासी अंकित मीणा, अभिषेक मीणा, भाविन मीणा और पालमांडव निवासी संजय परमार को गिरफ्तार किया है।

अवैध हथकढ़ शराब के साथ दो गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। बापचा थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत हथकड़ शराब सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बापचा थानाधिकारी बुद्धराम के अनुसार भेरुघाटी गांव (कोटरापार) से आरोपी रवि सांसी निवासी तलैया महुआ खाडी थाना मुंगावली जिला अशोक नगर हाल ग्राम लक्ष्मीपुरा (छबड़ा) से 15 लीटर अवैध कच्ची हथकढ़ शराब व अपराध में प्रयुक्त बाइक जब्त की। वहीं दूसरी टीम द्वारा गोडियामेहर नाका के पास से शिब्बू उर्फ शिवचरण गुर्जर निवासी छत्रपुरा थाना बापचा को भी 15 लीटर अवैध कच्ची हथकड़ शराब के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस निगरानी में हुआ डीएपी का वितरण

नोहर, (निसं)। डीएपी वितरण को लेकर नोहर में भी गहमा-गहमी का माहौल रहा। किसानों में डीएपी लेने को लेकर मारामारी रही। हालांकि बीती रात को ही किसान यहां सहकारी समिति के गोदाम के समक्ष जुटने लगे थे। अलसुबह हजारों किसानों की भीड़ गोदाम के समक्ष जुटी दिखाई दी। बढ़ती भीड़ और महज 1400 थैले डीएपी को देखते हुए स्थित कई बार तनावपूर्ण बनी। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम राहुल श्रीवास्तव व थाना अधिकारी ईश्वरानंद शर्मा ने किसानों से समझाइश कर स्थिति को संभाला। उसके बाद सुचारू रूप से डीएपी बैग का वितरण किया जा सका।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने दरगाह जियारत की

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने जियारत की।

अजमेर, (कासं)। विश्व प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने जियारत की। इस मौके पर उन्होंने दरगाह में मखमली चादर और फूल चढ़ाकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। शाहनवाज हुसैन ने दरगाह में बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की जीत के लिए विशेष दुआ मांगी। दरगाह के ख़ादिम शेखजादा दौलत अली चिश्ती ने ज़ियारत करवाई और दस्तारबंदी कर दरगाह शरीफ का तबर्रुक दिया।

दरगाह में जियारत के बाद मीडिया

- शाहनवाज हुसैन ने मखमली चादर और फूल चढ़ाये, बिहार चुनाव के लिए जीत की दुआ मांगी

से बातचीत के दौरान सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह आस्था और एकता का प्रतीक है। मैंने यहां बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और हमारे गठबंधन की जीत के लिए दुआ मांगी है। ख्वाजा साहब का आशीर्वाद हमेशा देश और समाज की बेहतरी के लिए रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता इस बार भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर भरोसा जताएगी और विकास के रास्ते पर चलते हुए बीजेपी को प्रचंड जीत दिलाएगी। सैयद शाहनवाज हुसैन ने दरगाह में करीब आधे घंटे तक समय बिताया और ख्वाजा साहब की मजार पर माथा टेका। इस दौरान उन्होंने दरगाह के खादिम सैयद अब्दुल बारी के परिजन सैयद वशिम चिश्ती से मुलाकात कर शौक व्यक्त किया। उसके बाद सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के जीवन व उनके संदेशों पर चर्चा की। शाहनवाज ने कहा कि ख्वाजा साहब का संदेश प्रेम, भाईचारा और इंसानियत का है, जो आज भी समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दो ट्रेलर की भिड़ंत, दोनों चालक घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के खेरोदा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर रविवार दोपहर दो बजे दो ट्रेलर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गये, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उदयपुर की तरफ से आ रहा एक ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा पहुंचा। इसके बाद दूसरी लेन में भीलवाड़ा की ओर से आ रहे दूसरे ट्रेलर से भिड़ गया। टक्कर के बाद दोनों ट्रेलरों के केबिन पूरी तरह पिचक गए। इसमें दोनों ट्रेलरों के ड्राइवर बुरी तरह फंस गए। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रेलरों के केबिन पूरी तरह पिचक गए, जिसमें दोनों ट्रेलरों के ड्राइवर बुरी तरह फंस गए। हादसा मेनार तीन मुखी पुलिया के पास रविवार दोपहर करीब दो बजे हुआ। उदयपुर से जा रहे ट्रेलर का ड्राइवर किशन बैरवा गंभीर घायल हो गया। वहीं दूसरे ट्रेलर का ड्राइवर श्यामलाल कीर को मामूली चोट लगी। घायल ड्राइवर किशन बैरवा को स्थानीय ग्रामीणों और हाईवे एम्बुलेंस की मदद से बाहर निकाला, फिर मेनार हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां इलाज के बाद उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।

जैसलमेर में कांग्रेस जिला अध्यक्ष को लेकर गुटबाजी उलझन बनी

पोकरण/जैसलमेर, (कासं)। जिले की कांग्रेस इकाई इस समय अपने सबसे संवेदनशील दौर से गुजर रही है। जिलाध्यक्ष पद को लेकर मचा घमासान अब खुलकर सतह पर आ गया है। वर्षों से सुलग रही गुटबाजी अब मंचों पर और बैठकों में खुलकर दिखाई देने लगी है। कांग्रेस संगठन दो प्रमुख खेमों में बंटा हुआ है-एक ओर फकीर परिवार का प्रभावशील समूह, तो दूसरी ओर जननेता पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव का संगठनात्मक नेटवर्क। दोनों गुट वर्षों से प्रत्यक्ष टकराव से बचते रहे, लेकिन हालिया बैठकों और नेताओं के बयानों ने साफ कर दिया है कि संगठन के भीतर खींचतान अब निर्णायक मोड पर है। फकीर परिवार जहां अल्पसंख्यक समाज से जिलाध्यक्ष की मांग कर रहा है, वहीं रूपाराम धनदेव का खेमा मूल ओबीसी समाज से अध्यक्ष बनाए जाने की वकालत कर रहा है। इसी बीच, कांग्रेस संगठन द्वारा जिला अध्यक्ष पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष तय करने से नए समीकरण बन गए हैं। यह निर्णय कई वरिष्ठ नेताओं के लिए चुनौती बनकर उभरा है और संगठन के भीतर नई हलचल तेज हो गई है। वर्तमान जिलाध्यक्ष उम्मेदसिंह तंवर का कार्यकाल भी चर्चा में है। वे

- कांग्रेस संगठन दो प्रमुख खेमों में बंटा हुआ है-एक ओर फकीर परिवार का प्रभावशील समूह, तो दूसरी ओर जननेता पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव का संगठनात्मक नेटवर्क
- फकीर परिवार जहां अल्पसंख्यक समाज से जिलाध्यक्ष की मांग कर रहा है, वहीं रूपाराम धनदेव का खेमा मूल ओबीसी समाज से अध्यक्ष बनाए जाने की वकालत कर रहा है
- वर्तमान जिलाध्यक्ष उम्मेदसिंह तंवर का कार्यकाल भी चर्चा में है, वे संगठनात्मक रूप से सक्रिय हैं

संगठनात्मक रूप से सक्रिय हैं, लेकिन धनदेव गुट के करीबी माने जाते हैं, इसलिए उनकी दावेदारी पर गुटीय राजनीति का प्रभाव साफ झलकता है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संगठनात्मक निर्णय गुटीय दबाव में उलझ रहे हैं। कार्यकर्ता मानते हैं कि पिछली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की दोनों सीटों पर हार का बड़ा कारण यही आंतरिक खींचतान रही। जैसलमेर जिले की दोनों सीटों पर एससी एसटी एवं अल्पसंख्यक मतदाता बराबरी की टक्कर में अपने जन नेताओं के इशारों पर मतदान करते हैं। पोकरण से पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद की हार इसका सबसे बडा उदाहरण मानी जा रही है। दूसरी ओर, रूपाराम धनदेव अब भी मजबूत जनाधार वाले नेता के रूप में देखे जाते हैं। उन्होंने गांव-ढाणी तक संगठन खड़ा करने के लिए वर्षों तक मेहनत की, भले ही वे चुनाव न जीत पाए हो।

जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर माने जा रहे हैं। पंचायत स्तर से राजनीति शुरू करने वाले अमरदीन ने अपने कार्यकाल में विकास कार्यों और जनसंपर्क के जरिए मजबूत जनाधार बनाया है। वहीं जिला अध्यक्ष पद पर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के सक्रिय युवा कार्यकर्ता के नाम पर मोहर लगा सकती है। इसके अलावा विकास व्यास, मुराद फकीर, कर्नल अचलाराम सैन, पीयूष गोस्वामी और लखसिंह भाटी, गोपाल रंगा के नाम भी दावेदारों की सूची में शामिल हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अंतिम फैसला अमरदीन फकीर, गोपाल रंगा, मुराद फकीर, उम्मेदसिंह तंवर या कर्नल सैन में से किसी एक पर टिक सकता है। वही दिलचस्प रूप से भले ही रूपाराम धनदेव खुद इस रेस में शामिल न हों, लेकिन उनका समर्थन जिस ओर झुकेगा, वही दावेदार भारी पड़ सकता है। संगठन में उनकी रणनीतिक पकड़ और अनुभव को देखते हुए हाईकमान भी निर्णय को लेकर सावधानी बरत रहा है। जिले की राजनीति इस वक्त एक ही सवाल पर अटकी है-आखिर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा? चर्चा का केंद्र संगठन की मजबूती नहीं, बल्कि गुटीय वर्चस्व है। यदि कांग्रेस को पुनः मजबूत होना है, तो उसे ऐसा नेतृत्व चुनना होगा जो गुटबाजी से ऊपर उठकर संगठन को प्राथमिकता देवे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि अमरदीन फकीर का युवा नेतृत्व और रूपाराम धनदेव का अनुभव एक साथ आया, तो यह कांग्रेस के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

सार-समाचार

योग शिक्षक सम्मानित

ब्यावर । हरिद्वार पतंजलि योग ठााम से मुख्य योग शिक्षक की शिक्षा ठाहण करके लौटे योग शिक्षकों का सम्मान एवं अभिनंदन रविवार को ब्यावर जिला एवं तहसील योग समिति द्वारा किया गया इसमें ब्यावर के लगभग सभी योग साधक एवं साधिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। संगीतकार सोहनलाल शर्मा ने श्री कृष्णा योग मंच एवं योग शिक्षकों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया जिसको सभी ने सराहा। मीडिया प्रभारी प्रवीण मंगल ने बताया कि भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के महामंत्री सुरेंद्र खंडेलवाल भारतेंदु श्रीमाली एडवोकेट नरपत सिंह रावत संरक्षक किशन लाल जांगिड़ की भी मौजूदगी रही। सुनील शर्मा, योगेश शर्मा, रमेश पालीवाल, नेमीचंद शर्मा, बाबूलाल साहू, अमरचंद मुंदड़ा, सुनील कुमार हरकूट, सुरेश नारायण, राजेन्द्र कुमार चौहान, करण सिंह, महेंद्र सिंह कानावत, इत्यादि 12 साधकों का स्वागत विष्णु प्रकाश कुमावत, प्रहलाद सोनी, प्रभु सिंह पीटीआई, सोहनलाल गहलोत, सीताराम चौहान, पुरुषोत्तम सोनी, अमृतलाल गहलोत, डॉक्टर प्रमोद पोरवाल, अशोक पबनानी, कमल लखानी, हरिप्रसाद गर्ग, प्रवीण बिजावत, सत्यनारायण विजयवर्गीय, संजय डोसी, दामोदर साहू, रमेश पालडिया, रणजीत सिंह, ओम प्रकाश बालाजी, कुंदन बिहारी शर्मा, नारायण सिंह, केदार अठावाल महिला साधिकाओं ने प्रिया शर्मा, कविता गुप्ता, सीता प्रजापति, ओमी बाई इत्यादि साथी मौजूद रहे। आखिर में पिछले कई वर्षों से चल रही योग अभ्यास करवा रहे योग गुरु आनंद कुमावत में सभी का धन्यवाद किया।

तस्करों के खिलाफ कार्यवाही

ब्यावर । जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिह आईपीएस के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भुपेन्द्र शर्मा आरपीएस व सज्जनसिह वृताधिकारी वृत मसूदा के सुपरविजन मे थानाधिकारी सुरेन्द्रसिह द्वारा डोडा पोस्त तस्करो के खिलाफ कार्यवाही हेतु नाकाबन्दी कर स्वीट कार आरजे 06 सीबी 6687 का पीछा कर अन्दर छुपा कर रखे। अवैध डोडा पोस्त से भरे प्लास्टिक के कुल 02 कट्टो में कुल 40 किलो 100 ठााम डोडा पोस्त जब्त करते हुए प्रकरण दर्ज किया गया। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालो के विरूद्ध आगे भी निगरानी व सतत कार्यवाही निरन्तर मे जारी रहेगी। फरार मुलिजमो की तलाश जारी है। सुरेन्द्रसिह थानाधिकारी की पुलिस टीम में केसाराम सउनि,प्रवीणसिह एचसी,लोकेश कुमार एचसी,बलदेव कानि,हरेन्द्र कानि,सुशील कुमार,कैलाश कानि,चेतनसिंह कानि,महेन्द्र कानि,राजेश कानि आदि थे।

डीपीडीपीए कानून के खिलाफ नया आंदोलन

ब्यावर । सूचना के अधिकार आंदोलन का बिगुल जिस ब्यावर की धरती से वर्ष 1990 के दशक में बजा था, आज उसी धरती से डेटा प्रोटेक्शन कानून के खिलाफ भी नई आवाज बुलंद हो रही है। सूचना के अधिकार की ऐतिहासिक यात्रा को याद करते हुए और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सहेजने के उद्देश्य से आज ब्यावर में बनने वाले 'सूचना का अधिकार संठाहालय' के अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय ने कहा कि सूचना के अधिकार आंदोलन की शुरुआत इसी ब्यावर से हुई थी और अब केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून डीपीडीपीए के खिलाफ भी आंदोलन की नई शुरुआत यहीं से होगी। इस कानून के ज़रिए सरकार ने सूचना के अधिकार कानून में जो संशोधन किए हैं, उन्हें हर हाल में वापस लिया जाना चाहिए। ये संशोधन पारदर्शिता और जवाबदेही की आत्मा पर हमला हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. पी. शाह ने अपने वक्तव्य में कहा किआरटीआई कानून ने जनता के हाथों में वह चाबी दी है जिससे सत्ता के बंद बक्से खुल सके। नया कानून इस अधिकार को कमजोर करने का प्रयास है। हमें याद रखना होगा कि सत्ता जनता की है, और हमें इस चाबी को हर हाल में अपने पास रखना होगा। ब्यावर में बन रहा यह 'सूचना का अधिकार संग्रहालय' दुनिया का पहला ऐसा प्रयास है जो जनता के संघर्षों और पारदर्शिता की विरासत को जीवित रखेगा।देश के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त वज़ाहत हबीबुल्लाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सूचना के अधिकार ने देश में सत्ता और नागरिकों के संबंधों को बदल दिया है। पहली बार जनता शासन के केंद्र में आई। लेकिन अब सत्ता फिर से इस अधिकार को सीमित और कमजोर करना चाहती है। इसलिए मैं आज आपसे यह कहने आया हूँ कि आप क्यों नहीं इसका मुकाबला करते? यह मेरी शिकायत है। जब जनता ने इस अधिकार को जन्म दिया है, तो उसकी रक्षा की जिम्मेदारी भी जनता की ही है।

मदनगंज में दिव्यांगों को आज स्कूटी वितरण

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। ब्लॉक कांग्रेस की ओर से अंराई में आयोज्य ब्लॉक स्तरीय बैठक में संगठन के नवसृजन व मजबूती देने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक हरियाणा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक तवंर, पीसीसी पर्यवेक्षक रमेश खंडेलवाल, किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी कार्यकर्ताओं से रायशुमारी करेंगे। बैठक से पूर्व कांग्रेस नेताओं द्वारा कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं से संवाद किया जाएगा। इसके अलावा विधायक विकास चौधरी गुलानिया पैराडाइज अंराई में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के दिव्यांगजनों को विधायक कोष से स्कूटी वितरण की जायेगी। विधायक चौधरी ने बताया कि चरणबद्ध रूप से विधानसभा क्षेत्र के समस्त दिव्यांगों को स्कूटी वितरण करने की सोच के साथ प्रथम चरण का विधिवत आगाज होगा।

आईटी यूनियन अजमेर का स्नेह मिलन समारोह मनाया

अजमेर (कासं)। राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ जिला अजमेर का स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह "उजास-2025" कार्यक्रम रविवार को सूचना केन्द्र सभागार में आयोजित हुआ। राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ जिला इकाई अजमेर के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि आईटी यूनियन अजमेर द्वारा स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। जिले में पदस्थापित सहायक प्रोग्रामर, सूचना सहायकों के साथ-साथ हाल ही में जिले नव पदस्थापित सूचना सहायकों का तिलक व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसी क्रम में हाल ही में पदोन्नत प्रोग्रामरों का सम्मान विशिष्ठि अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अजमेर विकास प्राधिकरण आयुक्त नित्या के., अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त निदेशक देवेश बाडमेरा, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उप निदेशक भानू प्रताप सिंह गुर्जर, राजस्थान लोक सेवा आयोग के संयुक्त निदेशक योगेश कुमार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त निदेशक श्रुति कीर्ति गुप्ता विशिष्ठ अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईटी यूनियन पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य, जिले में पदस्थापित सहायक प्रोग्रामर आदि मौजूद थे।

तीरपाल के नीचे जिंदगी गुजारने को मजबूर विधवा महिला

भीलवाड़ा, (निसं)। इंसान के सिर पर छत होना उसकी सबसे बुनियादी ज़रूरत होती है, लेकिन कोटड़ी उपखंड क्षेत्र की मंशा ग्राम पंचायत के भीलों के झोपड़ा गांव में एक विधवा महिला अपने दो मासूम बच्चों के साथ तीरपाल के नीचे रहने को मजबूर है। भोली देवी भील के पति प्रभु भील की करीब तीन वर्ष पूर्व खान पर कंप्रेशर चलाते समय सांस की गंभीर बीमारी से मौत हो गई थी। प्रभु भील की उम्र मात्र 28 वर्ष थी। पति की मौत के बाद भोली देवी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गरीबी और असहायता के कारण वह अपने दोनों बेटों दुर्गेश (12) और मुकेश (11) के साथ जैसे-तैसे जीवन-यापन कर रही है। हालात इतने खराब हैं कि बारिश हो या तपती धूप, यह परिवार एक पतली तीरपाल के नीचे दिन-रात गुजारने को विवश है। न तो कोई पक्का घर है और न ही कोई सुरक्षित ठिकाना। भोली देवी ने कई बार प्रशासन को अपनी स्थिति से अवगत कराया, लेकिन अब तक उसे किसी भी सरकारी सहायता या आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। गांव के लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि इस बेसहारा परिवार को तुरंत सरकारी आवास योजना का लाभ देकर उनके सिर पर पक्की छत उपलब्ध कराई जाए। गांव वालों की मांग है कि प्रशासन आगे आए और इस विधवा महिला व उसके मासूम बच्चों को राहत दे, ताकि उन्हें भी सुरक्षित छत और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

विधायक भदेल ने किया आकाश ऊर्जा सोलर सर्विस के नए कार्यालय का शुभारंभ

- पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगी, बल्कि लोगों को ऊर्जा लागत में भी कमी लाएगी : विधायक भदेल

अजमेर (कासं)। नसीराबाद रोड, आदर्श नगर स्थित आकाश ऊर्जा सोलर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के नये कार्यालय का विधिवत शुभारंभ रविवार को प्रातः 11 बजे मुख्य अतिथि अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, टाटा पावर के सीईओ सुनील कुमार शर्मा और चोयल ग्रुप के डायरेक्टर आर एस चोयल द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलन के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर कार्यालय का उद्घाटन किया गया। आकाश ऊर्जा सोलर सर्विस के डायरेक्टर अमित गर्ग, नवीन शर्मा और पुष्पेंद्र शर्मा ने बताया कि कंपनी का उद्देश्य स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है। । उन्होंने बताया कि कंपनी सोलर पैनल्स, सोलर इनवर्टर, बैटरी और अन्य सोलर उपकरणों की बिक्री, स्थापना और रखरखाव सेवाएं प्रदान करती है। यह कार्यालय क्षेत्र में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और तकनीकी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य अतिथि विधायक अनिता भदेल ने अपने संबोधन में कंपनी की इस पहल की सराहना की और कहा कि सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगी, बल्कि लोगों को ऊर्जा लागत में भी कमी लाएगी। टाटा पावर के सीईओ सुनील कुमार शर्मा ने सौर ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम बताया। चोयल ग्रुप के डायरेक्टर आरएस चोयल ने भी कंपनी के प्रयासों की प्रशंसा की और इसे क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया। इस अवसर पर अमित गर्ग, नवीन शर्मा व पुष्पेंद्र शर्म ने अतिथियों का माला, शाल ओड कर व मोमेंटो प्रदान की स्वागत किया । समारोह के दौरान कंपनी के कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आकाश ऊर्जा सोलर सर्विस के इस नए कार्यालय के शुरू होने से अजमेर में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी और यह क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। समारोह में पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत सहित कंपनी के सेल्स हेड अमित मलिक, साइट सुपरवाइजर ऋषभ, एच-सीआरएम पूजा हिरानी, रुचिता खंडेलवाल, डिजिटल मार्केटिंग हेड प्रदीप, दीपक मेघवंशी, तुषार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस पर्यवेक्षक ने स्वाभिमान भोज रसोई का अवलोकन किया

- पर्यवेक्षक डॉ तंवर ने स्वाभिमान भोज रसोई में जरूरतमंदों को टोकन बाटे एवं भोजन की थाली परोस कर सेवा कार्य किया, उन्होने परोसे जाने वाले भोजन टेस्ट कर गुणवत्ता जांची।

अजमेर (कासं)। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के अजमेर पर्यवेक्षक एवं पूर्व सांसद डॉं अशोक तंवर ने अजमेर संभाग के सबसे बड़े चिकित्सालय जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय परिसर में जवाहर फाउंडेशन द्वारा संचालित स्वाभिमान भोज रसोई का अवलोकन किया।

पर्यवेक्षक डॉ तंवर ने स्वाभिमान भोज रसोई में जरूरतमंदों को टोकन बाटे एवं भोजन की थाली परोस कर सेवा कार्य किया, उन्होने परोसे जाने वाले भोजन टेस्ट कर गुणवत्ता जांची।

जवाहर फाउंडेशन अजमेर के प्रभारी शिव कुमार बंसल ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं स्वाभिमान भोज रसोई के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी बंसल ने बताया कि जवाहर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं उद्योगपति रिजु झुनझुनवाला द्वारा संचालित स्वाभिमान भोज रसोई में 22 फरवरी 2025 से लेकर आज तक जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के परिजनों,आउटडोर में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों और जरूरतमंदों को एक रुपए में भरपेट खाना उपलब्ध कराया जा रहा है । स्वाभिमान भोज रसोई में अभी तक जरूरतमंदों को एक लाख से अधिक थालियां परोसी जा चुकी है।

पर्यवेक्षक डॉ तवंर ने जवाहर फाउंडेशन की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि की पीडित् मानव से बड़ा कोई पुनीत कार्य नहीं है।

इस अवसर पर जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी रजनीश कुमार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रमेश खंडेलवाल प्रवक्ता सुमेर सिंह चारण महेश चौहान राकेश शर्मा मनीष अग्रवाल हेमराज सिसोदिया सहित जवाहर फाउंडेशन के कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हमले की साजिश का पर्दाफाश

भीलवाड़ा, (निसं)। कांग्रेस नेता और पूर्व सरपंच हरफूल जाट पर हमले की साजिश का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मास्टरमाइंड अक्षय समेत चार अन्य को गिरफ्तार कर लिया। हरफूल जाट और अन्य साथियों ने मिलकर बारिश के दिनों में अक्षय के पिता बीजेपी नेता एवं हलेड सरपंच पति के साथ मारपीट कर दी थी। इस वारदात के लिए हरफूल जाट को पुलिस ने गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई को अंजाम दिया लेकिन कुछ दिनों बाद ही हरफूल जाट जमानत पर जेल से बाहर आ गया। अक्षय की इंतकाम की आग भभक रही थी। वह इसी फिराक में था उसके पिता के साथ हुए मारपीट का बदला उसे हर हालत में लेना है। प्लानिंग तो वह काफी दिनों पहले ही कर चुका था लेकिन हरफूल जाट उसे अकेला नहीं मिल रहा था। शनिवार शाम उसे पता चला कि हरफूल जाट मार्केट में ही है।

पीड़ित मानव की सेवा सबसे बड़ा पुनीत कार्य : तंवर

- सब मिलकर संगठन सर्जन अभियान को बनाए सफल
- देशभर में राहुल गांधी कर रहे डेमोक्रेसी को मजबूत : राठौड़

अजमेर, (कासं)। पंचशील नगर स्थित होटल ब्राविया में रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक अशोक तंवर के मुख्य आतिथ्य तथा आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के सानिध्य में कांग्रेस कमेटी अजमेर उत्तर ब्लॉक बी की ओर से संगठन सृजन अभियान की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त जोश दिखाया।

मुख्य अतिथि एआईसीसी पर्यवेक्षक अशोक तंवर, पीसीसी उपाध्यक्ष व पर्यवेक्षक रमेश खंडेलवाल, पीसीसी सचिव व पर्यवेक्षक ललित बोरीवाल के आतिथ्य में आयोजित बैठक में एक अहम प्रस्ताव पारित किया कि आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष के लिए जो भी नाम प्रस्तावित करें उन्हीं में से अजमेर अध्यक्ष की कमान सौंपी जाए, जिस पर मौजूद सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथ खड़े कर एक सुर में अपनी सहमति प्रदान की। बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि एआईसीसी पर्यवेक्षक अशोक तंवर ने कहा लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर देश भर में संगठन सृजन अभियान चल रहा है। अजमेर में भी अभियान जारी है और शहर और वे जिले की विधानसभा में ब्लॉक स्तर पर बैठक ले रहे है। इसके लिए सारी प्रक्रिया गहनता के साथ कर रहे है। सभी मिलकर इस संगठन सृजन अभियान को सफल बनाए, उन्होंने भाजपा पर हमला बोते कहा कि भाजपा की सरकार ने कुछ नहीं किया। केवल जनता को गुमराह करने का काम किया है। बैठक को संबोधित करते पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी देश में एक ऐसे नेता हैं जो डेमोक्रेसी को मजबूत कर रहे है। बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए और ताकत दिखाई। संगठन सृजन अभियान की आयोजित बैठक में मंच पर बैठे एआईसीसी पर्यवेक्षक मुख्य अतिथि अशोक तंवर, पीसीसी उपाध्यक्ष व पर्यवेक्षक रमेश खंडेलवाल, ललित बोरीवाल, बोरीवाल, पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक डॉक्टर राजुकमार जयपाल, डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, पूर्व विधायक डाक्टर श्रीगोपाल बाहेती, वरिष्ठ नेता राजेश टंडन, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली, प्रदेश कांग्रेस सचिव कैलाश झालीवाल, शहर महासचिव पार्षद नोरत गुर्जर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल व वाहिद मोहम्मद आदि ने संबोधित किया और अभियान को सफल बनाने की बात कही।

बैठक के अंत में शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष कुलदीप कपूर व पूर्व पार्षद मनवर खान कायमखानी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजंलि अर्पित की गई।

संघर्ष जारी रहेगा

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास राष्ट्रीय संगठन मंत्री सच्चिदानंद महाराज ने कहा की जब तक मथुरा में कृष्ण मंदिर नहीं बन जाता तब तक संघर्ष जारी रहेगा। महाराज के किशनगढ पहुंचने पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व भाजपा नेता सूर्यप्रकाश शर्मा ने परम्परागत रूप से स्वागत अभिनंदन किया।

मानसरोवर झील की सफाई करवाने की मांग

भीलवाड़ा। पिपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू एवं नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल को पत्र लिखकर मानसरोवर झील की तत्काल सफाई करवाकर उसे गंदगी मुक्त करने की मांग की है। जाजू ने बताया कि पूरी मानसरोवर झील में पानी के उपर कांजी जमी हुई है एवं गंदगी फैली हुई है। चारों ओर तालाब की पाल भी गंदगी एवं झाड़ियों से अटी पड़ी है, जिससे भ्रमणार्थियों को परेषानी का सामना करना पड़ रहा है। जाजू ने तत्काल मानसरोवर झील में उगी झाड़ियों को हटवाने एवं झील की संपूर्ण सफाई करवाने की मांग की है। जाजू ने पत्र में यह भी मांग की है कि झील में जाने वाले गंदे नालों को डाइवर्ट करें एवं पानी की नियमित रूप से सफाई के लिए ईटीपी प्लांट लगाएं तथा मानसरोवर झील के पर्यटन की दृश्टि से विकास की योजना को जल्दी से जल्दी मूर्तरूप देकर भीलवाड़ावासियों के लिए झील में नौकाविहार शुरू करवाएं। उल्लेखनीय है कि मानसरोवर झील पर प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सैकड़ों लोग भ्रमण हेतु आते हैं ।

डीपीडीपीए कानून के खिलाफ नया आंदोलन : अरुणा रॉय

ब्यावर (निसं)सूचना के अधिकार आंदोलन का बिगुल जिस ब्यावर की धरती से वर्ष 1990 के दशक में बजा था, आज उसी धरती से डेटा प्रोटेक्शन कानून के खिलाफ भी नई आवाज बुलंद हो रही है। सूचना के अधिकार की ऐतिहासिक यात्रा को याद करते हुए और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सहेजने के उद्देश्य से आज ब्यावर में बनने वाले 'सूचना का अधिकार संग्रहालय' के अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय ने कहा कि सूचना के अधिकार आंदोलन की शुरुआत इसी ब्यावर से हुई थी और अब केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून डीपीडीपीए के खिलाफ भी आंदोलन की नई शुरुआत यहीं से होगी। इस कानून के ज़रिए सरकार ने सूचना के अधिकार कानून में जो संशोधन किए हैं, उन्हें हर हाल में वापस लिया जाना चाहिए। ये संशोधन पारदर्शिता और जवाबदेही की आत्मा पर हमला हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. पी. शाह ने अपने वक्तव्य में कहा किआरटीआई कानून ने जनता के हाथों में वह चाबी दी है जिससे सत्ता के बंद बक्से खुल सके। यह कानून संसद की देन नहीं, बल्कि जनता के संघर्ष से जन्मा है - मजदूरों, किसानों और नागरिकों की मांग से। लेकिन आज सरकारें इस बक्से को फिर से बंद करना चाहती हैं। नया कानून इस अधिकार को कमजोर करने का प्रयास है। हमें याद रखना होगा कि सत्ता जनता की है, और हमें इस चाबी को हर हाल में अपने पास रखना होगा। ब्यावर में बन रहा यह 'सूचना का अधिकार संठाहालय' दुनिया का पहला ऐसा प्रयास है जो जनता के संघर्षों और पारदर्शिता की विरासत को जीवित रखेगा।देश के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त वज़ाहत हबीबुल्लाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सूचना के अधिकार ने देश में सत्ता और नागरिकों के संबंधों को बदल दिया है। पहली बार जनता शासन के केंद्र में आई। लेकिन अब सत्ता फिर से इस अधिकार को सीमित और कमजोर करना चाहती है। इसलिए मैं आज आपसे यह कहने आया हूँ कि आप क्यों नहीं इसका मुकाबला करते? यह मेरी शिकायत है। जब जनता ने इस अधिकार को जन्म दिया है, तो उसकी रक्षा की जिम्मेदारी भी जनता की ही है।मजदूर किसान शक्ति संगठन के साथी निखिल डे ने कहा कि हम पारदर्शिता के लिए लंबी लड़ाई लड़कर सूचना का अधिकार लेकर आए हैं। अब हम लंबे समय से जवाबदेही कानून की मांग कर रहे हैं और उसके लिए राजस्थान राज्य में एक दशक से आंदोलन जारी है। लेकिन आज तक जवाबदेही कानून नहीं लाया गया है। हम हर हालत में सत्ता प्रतिष्ठान से जवाबदेही लेकर रहेंगे। निरंतर के संपादक राम प्रसाद कुमावत ने कहा कि सूचना का अधिकार कानून भले बन गया हो, लेकिन इसे ज़िंदा और प्रभावी बनाए रखने के लिए हमें हमेशा सतर्क और जागरूक रहना होगा। कोई भी सरकार यह पसंद नहीं करती कि जनता उससे सवाल पूछे, इसलिए ऐसे अधिकारों की रक्षा जनता की सतर्कता और संघर्ष पर निर्भर करती है। ब्यावर को 'आरटीआई सिटी' के रूप में पहचान दिलाने का यह सही समय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने पत्रों, बिलों और दस्तावेज़ों पर 'आरटीआई सिटी ब्यावर ' लिखकर इस पहचान को मजबूत करें।

सार-समाचार

'सच को उजागर करना ही पत्रकारिता'

अजमेर। गांधी के समय पत्रकारिता को चुनौतियां भयानक थीं किंतु गांधी ने निडरता से उसका सामना किया।सच्ची पत्रकारिता का अर्थ ही बिना किसी दबाव और डर के सच को सामने लाना है।ये विचार सुप्रसिद्ध पत्रकार तथा गांधीवादी विचारक राजेश बादल ने व्यक्त किए। गांधी महोत्सव समिति और अजयमेरु प्रेस क्लब द्वारा आयोजित व्याख्यान में बोलते हुए बादल ने कहा कि भारत में पत्रकारिता का स्वर्णिम इतिहास रहा है और इसे समृद्ध बनाने में महात्मा गांधी का महत्वपूर्ण रहा है। राज्यसभा टीवी के पूर्व सम्पादक रहे राजेश बादल ने गांधी की पत्रकारिता और आज का दौर विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में इंडियन ओपिनियन अखबार निकाला। भारत में यंग इंडिया, नवजीवन और हरिजन आदि अनेक समाचार पत्र निकाले। उनके लेखन से ब्रिटिश राज्य की नैतिक सत्ता घबराती थी। बादल ने आज के पत्रकारों से आव्हान किया कि वे वक्त के खतरों को समझे और उन्हें उजागर करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि साहित्यकार पराग मांदले ने कहा कि गांधी की पत्रकारिता से हमें निरंतर सीखना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए डी एल त्रिपाठी ने कहा कि प्रेम, करुणा, सौहार्द और बंधुत्व की पूरी दुनिया को आवश्यकता है। गांधी का यह संदेश विश्व में शांति ला सकता है। व्याख्यान के प्रारंभ में क्लब के संस्थापक अध्यक्ष डॉ रमेश अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। अंत में प्रताप सिंह सनकत ने आभार ज्ञापित किया। संचालन डॉ अनंत भटनागर ने किया। कार्यक्रम में सत्यकिशोर सक्सेना, एम एल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, मोहन चेलानी, राजकुमार नाहर, सुरेश सिंधी, अनिल जैन, रासबिहारी गौड़, शेफाली मार्टिंस आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अग्रवाल के अध्यक्ष नियुक्त होने पर स्वागत

भीलवाड़ा। जिला यूनेस्को एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा पूर्व पार्षद एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल को जिला यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष बनाये जाने के उपलक्ष्य में सभी सदस्यों ने नेहरू रोड स्थित कार्यालय पर उनका हार्दिक अभिनन्दन, स्वागत-सम्मान किया। जिला यूनेस्को एसोसिएशन के पूर्व जिलाध्यक्ष चेतन मानसिंहका व कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश जैन के नेतृत्व में आयोजित जिला कार्यकारिणी की बैठक व सम्मान समारोह में अग्रवाल को सदस्यों द्वारा माला व मेवाडी पगड़ी पहनाकर उनका विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के स्टेट कार्डिनेटर गोपाल लाल माली ने कहा कि किसी भी संस्था में पद पाने का लक्ष्य केवल किसी संस्थान में उच्च पदों पर आसीन हो जाना नहीं है एक श्रेष्ठ समाज व संस्था की रचना में सक्रिय भूमिका निभाना उद्देश्य होना चाहिए। इंसानियत, दया, भलाई, सहायता व सहयोग सेवा जैसे कार्य संस्थान के निर्माण का मूल आधार है। ऐसे कार्य करने वाले इंसान ही समाज व संस्था के निर्माण करने वाले होते है तथा संस्थान को एकत्रित भी रखते है। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने क्लब के सदस्यों को विश्वास दिलाया कि सामाजिक सरोकार के कार्यों में किसी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी और क्लब की जिला कार्यकारिणी भी अतिशीघ्र गठित कर दी जायेगी। बैठक में यूनेस्को के वरिष्ठजन विद्यासागर सुराणा, जिला सचिव जगदीश चन्द्र मून्दड़ा, संगठन सचिव कमलेश जाजू, कोषाध्यक्ष विशाल विजयवर्गीय, सह कोषाध्यक्ष हरनारायण माली, प्रवक्ता मधु लोढा, निदेशक रामचन्द्र मून्दड़ा, डॉ. शांति लाल छापरवाल, विजयशंकर शर्मा, रोशन गढ़वाल, राजेश जीनगर, राधा अग्रवाल, पुष्पा सुराणा, संजय औदिच्य सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

छात्रों ने प्रतियोगिता में पूरा दमखम लगाया

ब्यावर (निसं) श्री चिम्मनसिंह लोढा नूतन उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं श्री टी. सी. लोढा शिक्षा मंदिर में तीन दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शाला प्रधान के एल जूनवाल ने बताया कि छात्र-छात्राओं ने 100, 200 मीटर दौड, कुर्सी दौड़, हैंकी स्नेचिंग, बैडमिंटन, चेस, कैरम, एकाभिनय, कविता पाठ, फ्रागरेस, एकल व समूह नृत्य, वादविवाद, एकल व समूह गान प्रतियोगिता मे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन किया। सचिव रविन्द्र लोढा ने सभी के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए शेष बचे छात्रों एवं छात्राओं से भी इसी प्रकार प्रतियोगिताओ में भाग लेकर अपना व्यक्तित्व निखारने एव उज्जवल भविष्य की आधार शिला रखने का आव्हान किया। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन करते हुए शिक्षिका निर्मला इसरानी ने बताया कि में उपस्थित अभिभावको ने अन्य कार्यक्रमों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमो की भरपूर सराहना करते हुए विद्यालय स्टाफ की सराहना की और छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। श्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा सभापति संदीप काबरा का ब्यावर आगमन पर भाव भरा स्वागत किया गया। अध्यक्ष दिलीप कुमार जाजू ने राजस्थानी साफा पहना करअभिनंदन किया। काबरा ने आगामी 9 से 11 जनवरी को जोधपुर में होने वाले माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। समाज बंधुओं को अधिक से अधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जानकारी दी कि अधिवेशन में पूरे देश से 13 अन्य देश से माहेश्वरी समाज बंधुओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। इस कार्यक्रम में 750 स्टाल लगेगी और देश भर से सभी व्यापारी, समाज बंधु अपने उत्पाद और सेवाओं को प्रदर्शन करेंगे जिससे सभी समाज बंधु लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ श्री एल एन बल्दुआ, सेवा सदन पुष्कर के उपाध्यक्ष जय किशन बल्दुआ आदि मौजूद थे । के साथ माहेश्वरी समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री मनीष दरक ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सच्चिदानंद महाराज किशनगढ़ पहुंचे

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास राष्ट्रीय संगठन मंत्री सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि जब तक मथुरा में कृष्ण मंदिर नहीं बन जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। महाराज के किशनगढ़ पहुंचने पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व भाजपा नेता सूर्यप्रकाश शर्मा ने परम्परागत रूप से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मथुरा में कृष्ण मंदिर बनाने के लिये देश भर में भ्रमण कर रहे हैं। साथ ही संगठन के विस्तार को लेकर रायसुमारी की जा रही है। महाराज ने मंदिर के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कैलाश रावत, नंदकिशोर वैष्णव, गजेंद्र साहू, जीतु जोशी, अभिषेक छीपा, राकेश यादव, घनश्याम सिंह, साहिल अग्राल, मनीष शर्मा आदि ने महाराज का स्वागत किया।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपित

डीडवाना, (निसं)। जिले में बच्चों की आंखों की सेहत को लेकर जिला प्रशासन ने एक नई पहल शुरू की है। कलेक्टर महेंद्र खड़गावत की पहल पर "सेफ आई-सेफ फ्यूचर अभियान" का शुभारंभ हुआ, जिसके तहत स्कूलों में विद्यार्थियों की आंखों की जांच कराई जाएगी, ताकि किसी भी बच्चे की पढ़ाई दृष्टि दोष के कारण प्रभावित न हो। डीडवाना जिला प्रशासन के नवाचार "सेफ आई-सेफ फ्यूचर अभियान" का शुभारंभ जिला कलेक्टर डॉक्टर महेंद्र खड़गावत ने किया। इस अवसर पर एडीएम मोहनलाल, सीएमएचओ डॉक्टर नरेंद्र चौधरी सहित जिलेभर के एसडीएम और कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ख़डगावत ने बताया कि बढ़ते मोबाइल उपयोग और स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों की दृष्टि कमजोर हो रही है और अक्सर परिवारों को इसकी जानकारी भी नहीं होती। इसी समस्या को देखते हुए प्रशासन ने यह व्यापक अभियान शुरू किया है, ताकि हर बच्चे की आँखों की जांच हो सके और जरूरत पड़ने पर उन्हें निशुल्क चश्मे दिए जा सके। उन्होंने कहा कि आज बच्चों में मोबाइल फोन का उपयोग काफी बढ़ गया है, जिससे उनकी आँखों पर असर पड़ रहा है। कई बार बच्चों और उनके परिजनों को इसकी जानकारी नहीं होती, और पढ़ाई पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हमने 'सेफ आई, सेफ फ्यूचर' अभियान इसलिए शुरू किया है ताकि हर बच्चे की आंखों की जांच हो सके और जिनकी दृष्टि कमजोर है। उन्हें निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराये जा सकें। अभियान के तहत जिले के करीब साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों की आंखों की जांच की जाएगी। इसके लिए चिकित्सा विभाग की टीमें गठित कर दी गई है, जो ब्लॉकवार विद्यालयों में जाकर जांच करेंगी। जिन विद्यार्थियों की आँखें कमजोर पाई जाएंगी, उन्हें संबंधित अस्पताल में विस्तृत जांच के लिए भेजा जाएगा और भामाशाह योजना के तहत उन्हें निशुल्क चश्मे प्रदान किए जाएंगे। सीएमएचओ डॉक्टर नरेंद्र चौधरी ने बताया कि फिलहाल यह अभियान सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए शुरू किया गया है, लेकिन इच्छुक निजी विद्यालय भी इसमें शामिल हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर की इस पहल के तहत हमने जिलेभर में मेडिकल टीमों का गठन कर दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अमित शाह के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया

गृह मंत्री अमित शाह नए कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन व कई विकास कार्यों का शिलान्यास -लोकार्पण करेंगे

- 'नव विधान-न्याय की नई पहचान' की थीम पर आयोजित 6 दिवसीय प्रदर्शनी में कानून की नई संरचनाओं पर डिजिटल एवं इंटरएक्टिव प्रस्तूति होगी। प्रदर्शनी का समापन समारोह 18 अक्टूबर को होगा।

जयपुर, 12 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) पहुंचकर नवीन आपराधिक कानूनों पर आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के आयोजन स्थल का जायजा लिया। 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सोमवार को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे।

मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों एवं प्रदेश में इनकी प्रगति को दर्शाने वाली विभिन्न गतिविधियों की तैयारियों का विस्तृत अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने सभा स्थल पर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उल्लेखनीय है कि देश में 1 जुलाई 2024 से लागू हुए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जेईसीसी, सीतापुरा में छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में शाह के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री शाह लगभग 9 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे। इसके साथ ही, प्रदेश के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के लिए 260 करोड़ एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के 364 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण भी किया जाएगा। 'नव विधान-न्याय की नई पहचान' थीम पर आधारित प्रदर्शनी में कानून की नई संरचना की डिजिटल एवं इंटरएक्टिव प्रस्तुति होगी।

प्रदर्शनी में 13 से 17 अक्टूबर तक प्रतिदिन विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। उसके बाद 18 अक्टूबर को प्रदर्शनी का समापन समारोह आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा स्थित जयपुर एग्ज़िबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रदर्शनी स्थल का जायजा लिया।

भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर हुआ मंथन

- ढाई घंटे से अधिक चली और रात नौ बजे संपन्न बैठक में लिए गए निर्णयों की आधिकारिक जानकारी भाजपा की तरफ से जारी नहीं की गयी है।
- सूत्रों के अनुसार बैठक में लिए गए फैसलों की आधिकारिक जानकारी सोमवार को पटना में दिए जाने की संभावना है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुई बैठक में शाह, नड्डा ,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत तमाम बड़े नेता पार्टी मुख्यालय पहुंचे।

नयी दिल्ली, 12 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्रीय चुनाव समिति की रविवार को बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के नामों पर मंथन के साथ चुनावी रणनीति बनाने और अधिक से अधिक सीटों के जीतने पर गहन चर्चा हुयी। ढाई घंटे से अधिक चली और रात नौ बजे संपन्न बैठक में लिए गए निर्णयों की आधिकारिक जानकारी भाजपा की तरफ से जारी नहीं की गयी है।

सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सीट बंटवारे के बाद भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लिए गए फैसलों की आधिकारिक जानकारी सोमवार को पटना में दिए जाने की संभावना है। पटना में कल शाम चार बजे राजग की संयुक्त प्रेसवार्ता होगी और इसमें राजग उम्मीदवारों के नाम के साथ स्टार प्रचारकों और साझा चुनावी रणनीति का ऐलान किया जा सकता है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में सूत्रों के मुताबिक पार्टी 101 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम पर गहन चर्चा के साथ उसे अंतिम रूप देने मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत दिग्गज नेताओं के जनसभाओं, चुनावी रणनीति, प्रचार सामग्री, स्टार प्रचारकों की सूची और अन्य मुद्दों पर मंथन के बाद अंतिम रूप दिया गया। बैठक में शाह, नड्डा ,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत तमाम बड़े नेता पार्टी मुख्यालय पहुंचे। इसमें बिहार चुनाव के भाजपा प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल समेत कई प्रमुख नेता मौजूद हैं। इस बीच सीट बंटवारे पर हम पार्टी के प्रमुख जीतन राम मांझी ने कहा, " पार्टी को छह सीट मिलने पर हम संतुष्ट हैं, हमें न कोई नाराजगी है और न ही कोई शिकायत। यह आलाकामान का निर्णय है, इसे हम स्वीकार करते हैं।" लोजपा नेता चिराग पासवान और रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी राजग टिकट बंटवारे को आपसी सहमति और सौहार्द के साथ लिया गया निर्णय बताया है।

राजद के दो विधायकों ने बिहार विधानसभा से दिया इस्तीफा

नवादा, 12 अक्टूबर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है और पार्टी के दो विधायकों,

- नवादा सीट से विभा देवी और रजौली विधानसभा क्षेत्र से प्रकाशवीर ने विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव के समक्ष अपना इस्तीफा सौंपा

नवादा सीट से विभा देवी और रजौली विधानसभा क्षेत्र से प्रकाशवीर ने विधानसभा में अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

इन दोनों नेताओं ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव के समक्ष अपना इस्तीफा सौंप दिया।

विधायक विभा देवी नवादा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री और प्रभावशाली राजद नेता राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं। रजौली से विधायक प्रकाशवीर भी यादव के नजदीकी माने जाते हैं और लंबे समय से उनके राजनीतिक संपर्क में रहे हैं।

विधायक विभा देवी ने अपने त्यागपत्र में कहा कि वह अपनी इच्छा से विधायक पद से इस्तीफा दे रही हैं और उन्होंने अध्यक्ष से अपना इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। इसी तरह प्रकाशवीर ने भी अपने पत्र में उल्लेख किया कि वह भी बिहार विधानसभा की सदस्यता छोड़ रहे हैं। दोनों विधायकों के इस्तीफे ने राजनीतिक अटकलों को हवा देते हुए संकेत दिया है कि उनकी राजनीतिक राह बदल सकती हैं।

अफगानिस्तान ने रातभर चले सैन्य अभियान में 58 पाकिस्तानी जवान मार गिराये

काबुल, 12 अक्टूबर। अफगानिस्तान के डूरंड रेखा पर रातभर चले अफगान सैन्य कार्रवाई में 58 पाकिस्तान के जवान मारे गये हैं।

अफगानिस्तान इस्लामिक अमीरात की सेनाओं ने शनिवार रात विवादित डूरंड रेखा के पास कई अफगान प्रांतों में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की।

टोलो न्यूज के मुताबिक अफगानिस्तान इस्लामिक अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि कल रात डूरंड रेखा के पार जवाबी कार्रवाई के दौरान 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। अभियान के दौरान कई हथियार भी जब्त किये गये है।

मुजाहिद ने कहा कि जवाबी कार्रवाई डूरंड रेखा के पार चलायी गयी। इस दौरान कई हथियार भी अस्थायी रूप से जब्त किये गये हैं। अभियान के दौरान नौ अफगान सैनिकों की मौत हो गयी हैं और 16 घायल हुए हैं, जबकि 20 पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियां नष्ट की गयी हैं। प्रवक्ता ने कहा कि कतर और सऊदी अरब के अनुरोध पर अभियान को आधी रात में रोक दिया गया। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आईएसआईएस-के की मौजूदगी पर टिप्पणी करते हुए मुजाहिद ने दावा किया कि यह समूह अफगानिस्तान में हार गया था और बाद में उसने खैबर पख्तूनख्वा में अपने ठिकाने बना लिये।

- अभियान के दौरान नौ अफगान सैनिकों की मौत हो गयी हैं और 16 घायल हुए हैं

मुजाहिद ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा में आईएसआईएस-के के लिये प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये गये और प्रशिक्षुओं को कराची और इस्लामाबाद हवाई अड्डे से यहां लाया गया। जांच में पता चला है कि ईरान और रूस में हुए हमले इन्हीं केंद्रों से किये गये थे।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में हालिया आईएसआईएस-के के हमले की योजना खैबर पख्तूनख्वा के इन अड्डों से बनायी गयी थी। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की सरकार से आईएसआईएस-के प्रमुख सदस्यों को अफगानिस्तान को सौंपने का आग्रह किया। मुजाहिद ने खुलासा किया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का आग्रह किया है, लेकिन इस्लामिक अमीरात ने गुरुवार रात पाकिस्तान द्वारा किये गये हवाई हमलों के जवाब में इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

जबीहुल्लाह मुजाहिद ने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान की संप्रभुता के किसी भी उल्लंघन का जवाब खाली नहीं जायेगा।

मधुबनी में बांध टूटा, घरों, स्कूलों में पानी भरा

मधुबनी, 12 अक्टूबर।बिहार में मधुबनी जिले के बेनीपट्टी में पानी के दबाव के कारण महराजी बांध टूट गया है।(बांध के टूट जाने से कई लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर गया है। रात में अचानक बांध टूटने से लोगों को घरों से समान निकालने का मौका ही नहीं मिला। घर के लोग किसी तरह घर से बाहर निकले है। वहीं कई लोग घर के छतों पर शरण लिए हुए है। बांध टूटने के बाद नजरा के हाई स्कूल और मिडिल स्कूल में पानी प्रवेश कर गया है। उधर, नजरा मेघवन के मुख्य पथ पर बाढ़ का पानी चढ़ गया है।

इंदिरा गांधी को ऑपरेशन ब्लू स्टार की गलती की कीमत चुकानी पड़ी थी - चिदम्बरम

- एक कार्यक्रम में चिदम्बरम ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सेना, पुलिस और पंजाब के नेताओं के साथ मिलकर निर्णय लिया था।

नयी दिल्ली, 12 अक्टूबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार का फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का अकेले का नहीं था लेकिन फिर भी इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी।

चिदंबरम ने प्रख्यात पत्रकार लेखक खुशवंत सिंह के साहित्य पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि उस समय सेना, पुलिस तथा पंजाब के नेताओं के साथ मिलकर उन्होंने यह निर्णय लिया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा "मैं मानता हूँ कि गांधी ने उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। वह गलती सेना, पुलिस, खुफिया विभाग और सिविल सेवाओं का मिला-जुला फैसला था। आप इसके लिए केवल श्रीमती गांधी को दोष नहीं दे सकते।" चिदंबरम के पूर्व प्रधानमंत्री पर दिए इस बयान की कांग्रेस के कई नेताओं ने चिदंबरम की आलोचना की है।

गाज़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2023 को हमास ने इस्त्राइल के कई शहरों पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1200 लोग मारे गए थे। हमास ने 251 लोगों को बंधक भी बनाया था, जिनमें से 50 से ज्यादा अब भी उसकी कब्जे में हैं।

MARUTI SUZUKI ARENA

त्योहारों की ख़ुशी
अब हुई और बड़ी

GST लाभ और सीमित अवधि फैस्टिव ऑफ़र्स के साथ
23 अक्टूबर, 2025 तक मान्य

MODEL	S-PRESSO	ALTO K10	CELERIO	WAGONR	SWIFT	DZIRE	BREZZA	ERTIGA	EECO
REDUCTION IN PRICE^ (₹) UP TO	129 600	107 600	94 100	79 600	84 600	87 700	112 700	46 400	68 000
NOW STARTING AT^ (₹)	349 900	369 900	469 900	498 900	578 900	625 600	825 900	880 000	518 100
ADDITIONAL FESTIVE OFFERS* (₹) UP TO	47 500	52 500	52 500	57 500	48 750	2 500	35 000	-	42 500

BOOK NOW — UP TO 100% PROCESSING FEE WAIVER ON CAR FINANCE#

ARENA SAFETY SHIELD
SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
Contact us at 1800-102-1800

T&C available at dealership. Features/accessories vary by variant. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. *Offers / Prices differ by variant/model/location/city and may change or end without notice. Includes consumer, exchange, and institutional/rural offers (where applicable) on select models. Offer values shown are maximums. Prices subject to GST rates as notified by the Government. ^Reductions and starting prices vary by variant. #Valid with select financiers, for personal-use vehicles only.

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण विधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्ध।
– मनसुख मांडविया

केन्द्रीय खेल मंत्री, साई के प्रशिक्षण और बुनियादी ढ़ांचे के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी रवीन्द्र जडेजा

भारत के शीर्ष ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए टीम में जगह न मिलने के बावजूद 50 ओवरों का विश्व कप जीतने के अपने सपने को नहीं छोड़ा है। पिछले विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी पड़ाव पर पिछड़ने वाली टीम का हिस्सा रहे जडेजा, जो 2027 में होने वाले टूर्नामेंट के दौरान लगभग 39 साल के हो जाएंगे, को उम्मीद है कि आखिरकार उन्हें ट्रॉफी मिल ही जाएगी। उन्होंने कहा, "जब भी मुझे मौका मिलेगा, मैं वही करने की कोशिश करूंगा जो मैं इतने सालों से करता आ रहा हूँ।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमऑस्ट्रेलिया है, जो 600 से अधिक मैच जीत चुकी है और 6 बार विश्व कप जीत चुकी है।

अंडर-16 ट्रॉफी : हनुमानगढ़ ने झुंझुनूं को 6 विकेट से हराया

जयपुर, 12 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी आगामी राष्ट्रिय अंडर 16 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैच का परिणाम :- झुंझनू - हनुमानगढ़ (हनुमानगढ़ 6 विकेट से जीती), झुंझनू पारी 247 आल आउट, टीम के लिए बिजेंद्र सिंह 90, हिमांशु 68 रन, हनुमानगढ़ के गेंदबाज विशाल 45/3, पुनीत, जसपाल 2-2 विकेट हनुमानगढ़ पारी 248/4, टीम के लिए आदित्य 86, आर्यन 44, राहुल 35, रमन 34 व विशाल नाबाद 31 रन, झुंझनू के गेंदबाज अंशु 60/2 विकेट।

स्वर्गीय नरेंद्र कौर भुल्लर प्रतियोगिता 2025 का फाइनल गेम चेंजर वर्सिज, रेड रेंजर के बीच

जयपुर, 12 अक्टूबर। एसएमएस स्टेडियम के एस्ट्रो स्टार पर खेली जा रही गुरइकबाल सिंह स्मृति 6 साइड हॉकी प्रतियोगिता के आज के पहले मुकाबले में वॉरियर्स क्लब ने भगत सिंह क्लब को पांच दो से प्राप्त किया। अंतर तक दोनों टीम में दो-दो गोल से बराबरी पर थी। द वारियर्स के लिए मनवीर ने चार तथा कपिल ने एक गोल किया। टीम भगत सिंह क्लब के लिए पुनीत और हरमन ने एक गोल किए। इस प्रतियोगिता के आज के दूसरे एवं लीग के अंतिम मुकाबले में। में अंत तक बराबर रहे। डायमंड क्लब एवं राजपूताना क्लब के मध्य खेला गया था। दोनों टीम में चार-चार गोल्ड की से बराबर रही। डायमंड के लिए हसन प्रीत प्रवीण कुलवीर और। रविंद्र ने कॉल किया। जबकि राजपूताना क्लब के लिए रजत। सैफ अली ने एक-एक गोल तथा बिलाल ने दो गोल किए। मैदान पर खेली जा रहे नरेंद्र कौर भुल्लर स्मृति 6 साइड हॉकी प्रतियोगिता के। अंतिम मुकाबले में। गेम चेंजर क्लब ने गुलमोहर क्लब को 7-0 से प्राप्त किया।

जॉन कैंपबेल और शाई होप ने वेस्टइंडीज की पारी को संभाला

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। जॉन कैंपबेल (नाबाद 87) और कप्तान शाई होप (नाबाद 66) अर्धशतकीय पारियों की मदद से वेस्टइंडीज ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को स्टंप के समय दो विकेट पर 173 रन बना लिये है। हालांकि वह अभी भी भारत के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 97 रन पीछे है।

इससे पहले कुलदीप यादव (पांच विकेट) रवींद्र जडेजा (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज को 248 रन के स्कोर पर ढ़ेर कर 270 रनों की बढ़त के साथ उसे फॉलोऑन दिया हैं। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को 17 के स्कोर पर मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (10) को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर ने ऐलेक ऐथनेज (सात) को बोल्ड कर भारत की झोली में दूसरा विकेट डाल दिया। चायकाल तक वेस्टइंडीज ने दो विकेट के नुकसान पर 35 रन बना लिये थे।

चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान शाई होप ने जॉन कैंपबेल के साथ पारी को संभाला तथा तेजी के साथ रन भी बटोरे। दिन का खेल समाप्त होने के समय अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर बड़े स्कोर की नींव रख दी। वेस्टइंडीज ने 49 ओवर में दो विकेट पर 173 रन बना लिये है। जॉन कैंपबेल (नाबाद87) और शाई होप (नाबाद 66) क्रीज पर मौजूद थे। भारत की ओर दूसरी पारी में मोहम्मद सिराज और वॉशिंगटन सुदंर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने कल के चार विकेट पर 140 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप (36) का विकेट मात्र 16 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें कुलदीप यादव ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद टेविन इमलाक (21) और जस्टिन ग्रीव्स (17) को भी कुलदीप ने अपना शिकार बनाया। जोमेल वारिकन (एक) को मोहम्मद सिराज ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद खारी पिएर और एंडरसन फिलीप ने पारी को संभाला। वेस्टइंडीज ने लंच तक आठ विकेट पर 217 रन बना लिये थे और दोनों बल्लेबाजों के बीच लंच तक नौवें विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई थी। लंच के बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को जसप्रीत बुमराह ने खारी पियर (23) को आउटकर भारत को नौवीं सफलता दिलाई। 82वें ओवर की पांचवी गेंद पर कुलदीप यादव ने जेडेन सील्स (13) को पगबाधा आउटकर वेस्टइंडीज की पहली पारी को 248 के स्कोर पर अंत कर दिया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने पांच विकेट लिये। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जयसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट पर 518 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

कुलदीप ने पांचवीं बार फाइफर किया अपने नाम, बने दुनिया के नं. 1 गेंदबाज

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। दिल्ली में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 248 रन पर आउट कर दिया। इस दौरान भारत के लिए बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है।बता दें कि, कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में ये कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा। इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

स्मृति मंधाना ने एक साथ अपने नाम किए दो रिकॉर्ड, वनडे क्रिकेट में रच दिया इतिहास

विशाखापट्टनम, 12 अक्टूबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को विशाखापत्तनम में खेले जा रहे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्डकप मैच में इतिहास रच दिया है। दरअसल, इस दौरान मंधाना ने दो वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी दिखाई और वह विमेंस वनडे क्रिकेट में दो नए इतिहास रचने में कामयाब हो गईं। मंधाना विमेंस वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में न सिर्फ सबसे तेज 5 हजार रन बनाने वाली बल्लेबाज बनी हैं, बल्कि वह सबसे कम उम्र में वनडे क्रिकेट में 5000 रन बनाने वाली खिलाड़ी भी बन गई हैं। मंधाना ने जैसे ही 58वां रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया वैसे ही वह सबसे तेज और सबे कम उम्र में 5000 रन विमेंस वनडे क्रिकेट में बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने 112वीं पारी में इस उपलब्धि को अपने नाम किया है जबकि गेंदों के हिसाब से 5569 गेंदों का सामना करते हुए वह 5000 रन पूरा कर पाईं। पारी के साथ-साथ गेंदों के हिसाब से ये उनका वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

सितंबर पोलो सीजन 2025 : टीम जयपुर ने 1 गोल से जीता बीएम बिड़ला कप

जयपुर, 12 अक्टूबर। जयपुर के राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रविवार को बीएम बिड़ला कप (06 गोल) का फाइनल मैच खेला गया। यह रोमांचक मुकाबला टीम जयपुर और टीम डायनेमिक्स अचीवर्स के बीच हुआ, जिसमें टीम जयपुर ने टीम डायनेमिक्स अचीवर्स को 6-5 के स्कोर से शिकस्त देकर कप अपने नाम कर लिया। मैच की मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का खिताब डॉ शिवांगी जय सिंह ने जीता। इस अवसर

पर एनबीसी बीयरिंग्स, चीफ टेक्निकल ऑफिसर, डॉ लोकेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विजेता टीम जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और लांस वॉटसन ने 2-2 गोल कर टीम को जीत दिलाई। वहीं, टीम से वंदित गोलेच्छा और देवव्रत सिंह झालामंड ने 1-1 गोल किया। टीम डायनेमिक्स अचीवर्स की ओर से डेनियल ओटामेंडी ने 3 गोल और डॉ शिवांगी जय सिंह ने 2 गोल किए। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में शमशीर अली और साविर मेहराज गोदारा शामिल रहे।

सुदर्शन की चोट पर बीसीसीआई ने दिया अपडेट, तीसरे दिन नहीं करेंगे फील्डिंग

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। टीम इंडिया के बल्लेबाज साई सुदर्शन से जुड़ी एक बड़ी अपडेट बीसीसीआई ने दिल्ली टेस्ट मैचके तीसरे दिन के खेल के शुरू होने के समय जारी की। बीसीसीआई ने बताया है कि साई सुदर्शन वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन फिल्डिंग के लिए नहीं उतरेंगे।

डॉ. सतीश पूनियां की पुस्तक का विमोचन गुलाबचंद कटारिया, मदन राठौड़, राजेन्द्र राठौड़, टीकाराम जूली और बरजी बाई भील ने किया

राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया राजनीति के आदर्श हैं, सतीश पूनियां कुशल संगठनकर्ता हैं, पार्टी मजबूती के लिए प्रदेश में उन्होंने खूब काम किया : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

- सतीश पूनियां के प्रोग्राम में यह जानने आया हूँ कि कांग्रेस हरियाणा में चुनाव कैसे हारी : टीकाराम जूली
- संगठन की मजबूती के लिये मैंने सतीश पूनियां को पदयात्राएं और संघर्ष करते देखा है : कटारिया
- भाजपा राजस्थान अध्यक्ष रहते हुए सतीश पूनियां ने जिन जनमुद्दों के लिये सड़क पर संघर्ष किया, आज उन्हीं की बुनियाद पर भाजपा की भजनलाल सरकार का जन्म हुआ : राजेन्द्र राठौड़

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की विधायक कार्यकाल (2018-2023) पर आधारित पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' (संवाद से संघर्ष) का विमोचन पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और भीलवाड़ा जिला प्रमुख बरजी बाई भील ने किया। पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' पुस्तक का लोकार्पण और कृति चर्चा जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित हुई।

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की विधायक कार्यकाल (2018-2023) पर आधारित पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' (संवाद से संघर्ष) का विमोचन पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और भीलवाड़ा जिला प्रमुख बरजी बाई भील ने किया।

राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिये मैंने सतीश पूनियां को पदयात्राएं और संघर्ष करते देखा है। विद्यार्थी परिषद लेकर युवा मोर्चा और भाजपा संगठन के लिये जमीन पर मेहनत करते देखा है। राजनीति में हार-जीत नहीं, बल्कि जनहित के लिए किया गया कार्य ही पहचान बनाता है। जो अग्निपथ से गुजरता है वही जनपथ को समझता है। विचार भले अलग हों, लेकिन सौहार्द बना रहना चाहिए।

कटारिया ने कहा कि यह पुस्तक लिखकर सतीश पूनियां ने लोकतंत्र की खूबसूरती के लिये ऐतिहासिक कार्य किया है और वह खुद इस पुस्तक से इतने प्रभावित हैं कि उन्हें भी पुस्तक लिखने की प्रेरणा मिली है, क्योंकि इस पुस्तक के माध्यम से राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली, नेता प्रतिपक्ष की भूमिका, स्पीकर की भूमिका, राजस्थान विधानसभा से जुड़ी हर प्रक्रिया के बारे में जो जानकारी दी गई है, वह वास्तव में अपने आप में एक बड़ा कार्य है और इसके लिए सतीश पूनियां धन्यवाद के पात्र है। इस पुस्तक से आमजन को भी काफी कुछ सीखने को मिलेगा, विधानसभा के बारे में उन्हें अच्छी जानकारी मिलेगी। इसके अलावा नए विधायकों और जो युवा राजनीति में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं उन्हें काफी कुछ इस पुस्तक से सीखने को मिलेगा। कटारिया ने कहा कि, सतीश पूनियां ने इस पुस्तक का विमोचन मेरे हाथों से करवाया, यह भी उनके इतने बड़े राजनीतिक जीवन में सबसे बड़ा सुखद क्षण है।

मदन राठौड़ ने कहा कि "राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया राजनीति के आदर्श हैं, सतीश पूनियां कुशल संगठनकर्ता हैं, पार्टी की मजबूती के लिये प्रदेश में उन्होंने खूब काम किया है। सतीश पूनियां की कई खूबियों का तो मुझे पहले से पता था, लेकिन यह किताब देखकर आज महसूस हुआ कि वे अच्छे लेखक भी हैं।"

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, "अग्निपथ पर तपे बिना जनपथ नहीं मिलता, अग्निपथ पर चलकर जो कुंदन की तरह तपता है, वही जनपथ तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अग्निपथ पर चलकर देश के शीर्ष तक पहुंचे है। जिन मुद्दों को भाजपा राजस्थान अध्यक्ष रहते हुए सतीश पूनियां ने सड़क पर संघर्ष करते हुए जन मुद्दे बना दिए, आज उन्हीं की बुनियाद पर हमारी भाजपा की भजनलाल सरकार का जन्म हुआ है।

राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि, टीकाराम जूली ने कहा कि हरियाणा के लोगों का मस्तमौला स्वभाव होता है और आजकल यही स्वभाव सतीश पूनियां का भी हो गया है।

मैं खास कर सतीश पूनियां के प्रोग्राम में यह जानने आया हूँ कि हम हरियाणा चुनाव कैसे हारे, सब कह रहे थे कांग्रेस जीत रही हैं, जीत रही है, लेकिन फिर हरियाणा में हारी कैसे कांग्रेस यह आज तक पता नहीं चल पाया ? जूली ने कहा कि, सतीश पूनियां, राजेंद्र राठौड़, गुलाबचंद कटारिया और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेताओं को वह काफी मिस करते हैं विधानसभा में, क्योंकि इन नेताओं से उन्होंने काफी कुछ सीखा है। इन नेताओं का विधानसभा में समय पर आना समय पर जाना प्रत्येक बैठक में शामिल होना, प्रत्येक मुद्दे पर तथ्यात्मक तरीके से अपनी बात कहना सदन की मर्यादाओं का ध्यान रखना।

स्कूल के टॉयलेट में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

बच्ची के शोर मचाने पर स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंचा और आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

जयपुर। गांधी नगर इलाके में एक स्कूल के टॉयलेट में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने का प्रयास का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया। बच्ची के शोर मचाने पर स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंचा और आरोपित को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस संबंध में बच्ची के पिता ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि शनिवार को उसकी बच्ची स्कूल गई थी। टॉयलेट जाने पर एक युवक दीवार फांदकर अंदर आया और उसने बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास किया। बच्ची के शोर मचाने पर स्टाफ पहुंचा और आरोपित को पकड़ लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी भजनलाल ने बताया कि मामला भारतीय न्याय संहिता-2023, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में दर्ज किया गया है। वहीं जांच गांधीनगर एसीपी नारायण कुमार बाजिया को सौंपी गई है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल मुआयना करवाया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सभी कानूनी कार्रवाई तेजी से की जा रही है।

मोबाइल चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल चोरी करने वाले एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के 21 मोबाइल भी बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घर मे घुस कर मोबाइल चुराने वाले आरोपित साहिल कुरैशी उर्फ सोहिल उर्फ खट्टन निवासी ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

राजपूत सभा की प्रतिनिधि बैठक संपन्न

जयपुर । श्री राजपूत सभा, जयपुर के सत्र 2025-28 की प्रथम प्रतिनिधि सभा की बैठक रविवार को जगतपुरा स्थित सभा छात्रावास में कार्यकारी सभापति राम सिंह चंदलाई की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सभा के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि और आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

इस दौरान विगत छह माह में संगठन द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों, राहत अभियानों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक का सबसे अहम विषय रहा ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आरक्षण में सरलीकरण की माँग। प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार से यह आग्रह किया गया कि वह राजस्थान सरकार की तर्ज पर ईडब्ल्यूएस के 10 प्रतिशत आरक्षण की पात्रता में भूमि और मकान से जुड़ी शर्तों को हटाए और केवल 8 लाख वार्षिक आय की एकमात्र शर्त को मान्य किया जाए।

इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधि सभा ने यह भी मांग की कि विवाहित महिलाओं के लिए पति की आय के साथ माता-पिता की आय जोड़ने की बाध्यता समाप्त की जाए, जिससे कई योग्य महिलाएं इस आरक्षण से वंचित न हों। साथ ही, ईडब्ल्यूएस आरक्षित वर्ग के लिए फीस में रियायत और उम्र सीमा में छूट का भी प्रावधान किया जाए।सभा ने यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किया कि स्थानीय निकायों, नगरपालिकाओं और पंचायत चुनावों में भी कोटे को लागू किया जाए, ताकि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी मिल सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल बनी "जीवन का वरदान"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे गंभीर रोगियों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। इस योजना ने हजारों ऐसे रोगी, जिन्होंने कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी, हृदय, गुर्दा या अन्य गंभीर रोगों के कारण जीवन की उम्मीद छोड़ दी थी, उन्हें नया जीवन दिया है। विगत करीब डेढ़ वर्ष के समय में ही इस योजना ने लगभग 2.5 लाख गंभीर रोगियों को 1900 करोड़ रुपए का कैशलैस उपचार देकर जीवन का वरदान दिया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार में संचालित स्वास्थ्य बीमा योजना में कई खामियां थीं। इसके चलते गंभीर रोगियों को समय पर पूरा इलाज नहीं मिल पाता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गरीब एवं जरूरतमंद रोगियों की तकलीफ को समझा और पूर्व में संचालित योजना के स्थान पर सुगम एवं सुलभ कैशलेस उपचार के लिए 19 फरवरी, 2024 से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना शुरू की। पैकेज की संख्या बढ़ाए जाने और विभिन्न सुधार होने से यह योजना गंभीर रोगियों के लिए जीवनदायिनी बन गई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि योजना में सबसे पहले कैंसर के 73 नए डे केयर पैकेज जोड़े गए। इसके बाद इसमें चरणबद्ध रूप से जीरियाट्रिक केयर पैकेज, किशोरों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए पैकेज, ओरल कैंसर, विशेष योग्यजनों के लिए नए पैकेज, रोबोटिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी एण्ड स्किन ट्रांसप्लाट, कार्डियोथोरेसिक एण्ड वेस्कुलर सर्जरी तथा आयुष सहित अन्य पैकेज शामिल किए गए और पिछली योजना में 1800 पैकेज के मुकाबले इसमें करीब 2200 पैकेज हो गए। योजना का दायरा बढ़ने से गंभीर रोगियों को उपचार लेने में आसानी हुई और लोगों का जीवन बचाना संभव हो सका।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्यरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हरजीलाल अटल ने बताया कि विगत करीब डेढ़ वर्ष के समय में ही इस योजना के तहत लगभग ढाई लाख गंभीर रोगियों को करीब 1900 करोड़ रूपए का कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया गया है।

इनमें हृदय रोग के 1 लाख 23 हजार, कैंसर के 96 हजार, डायलिसिस के 20 हजार, डायबिटीज के 6700, कॉकलियर इम्पलांट के 452, बोनमेरो ट्रांसप्लांट के 300, किडनी ट्रांसप्लांट के 760 एवं लीवर ट्रांसप्लांट के 77 रोगी शामिल हैं। कैंसर रोगियों को करीब 800 करोड़, हृदय रोगियों को करीब 850 करोड़ एवं डायलिसिस के रोगियो को करीब 200 करोड़ रूपए की लागत से कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया गया है।

Hero

1.25M
CELEBRATING
125 MILLION CUSTOMERS

आया त्योहार, हीरो पे सवार

HF Deluxe Pro

शुरूआती
एक्स-शोरूम कीमत

₹58 200#

पुराना एक्स-शोरूम

~~₹63 133~~

GST लाभ ₹4 933*

सीमित अवधि
ऑफर

डाउन पेमेंट @
₹999$
से शुरू

प्रतिदिन EMI
₹59$
से शुरू

इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10 000$ तक
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹1800$
तक

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY*
*Conditions apply

Hero GoodLife
पाएं जीतने का मौका
100% कैशबैक | 24 कैरट सोने का सिक्का
और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

Additional offers on:
Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Basis data available in public forum for products in 100cc Motorcycle segment. $Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. *Limited period offer,T&C apply. ^As per cumulative sales numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Pro in Rajasthan.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलर: अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, राजवंश हीरो, 9289233975, नागौर: धारणिया हीरो, 9289922199, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700, किशनगढ़: अमित हीरो, 9289923056, मेड़ता सिटी: जय राना हीरो, 9289922841, कुचामन सिटी: राज हीरो, 9289923111, एसोशिएट डीलरः ब्यावर: मंगलम ऑटोमोबाईल, 9251321000, विजय नगर: कमल ऑटोव्हील्स, 7014040994, केकड़ी: अग्रवाल ऑटो स्पेयर्स, सावर रोड़, 7023812796, डीडवाना: जॉगिड मोटर्स, 01580 223043 सरवड: कृष्णा मोटर्स,9214030048, गोटन: मारुति मोटर्स, 9414603017, मसूदा: बालाजी मोटर्स, 9950437559, डेगाना: शुभम मोटर्स, 8107676760, मकरानाः राज ऑटो एजेंसी, 9462523111, परबतसरः शिवम मोटर, 9166362402, मौलासर: सुजान मोटर्स, 9413929633/ 9166578910, बांदनवाड़ा: पार्श्वनाथ मोटर्स, 9251050200 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700.